www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 93 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
24 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:14
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 30°00

विशेष समाचार लापरवाही की लपटों में ... >> पेज 04
दोस्त को शराब पिलाकर ईंट... >> पेज 06
हॉरर की दुनिया में लौट रहे हैं ...

लखनऊ अग्निकांडः सीएम योगी सख्त, लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी को किया तलब

मुख्यमंत्री ने 1 जनवरी 2026 से अब तक शहर के सभी सात जोनों में जारी किए गए सीलिंग नोटिसों, उनके अनुपालन की स्थिति और अवैध निर्माणों के खिलाफ की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई (बुलडोजर एक्शन) का पूरा ब्यौरा मांगा है।

अवैध निर्माणों पर मांगी विस्तृत रिपोर्ट

अवैध निर्माणों के खिलाफ की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई का ब्यौरा मांगा

कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई हुई, कितने में नियमों का उल्लंघन जारी रहा

एसआईटी ने घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए

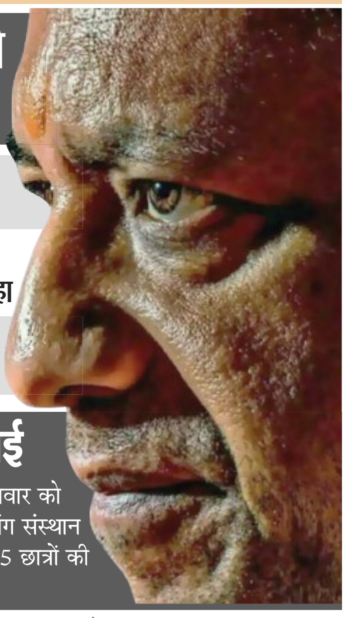

“ लखनऊ अग्निकांड में 15 मौतें, बिल्डिंग ढहाई जाएगी, यूपी के कोचिंग सेंटर्स में 48 सील बेटी का शव देखकर मां बेहोश

कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई

मुख्यमंत्री योगी ने यह भी पूछा गया है कि नोटिस जारी होने के बाद कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई और कितने मामलों में नियमों का उल्लंघन जारी रहा। गौरतलब है कि सोमवार को अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में भीषण आग लगने से 15 छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

यूपी के कोचिंग सेंटर्स में छापेमारी

सर्वे

■ प्रदेश में होटल और कोचिंग सेटर की जांच की जा रही है। सुरक्षा मानक परखे जा रहे हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ की 2 मंजिला इमारत में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए SIT और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने इमारत की जांच की। SIT में IPS प्रवीण कुमार और IAS अमृत अभिजात शामिल हैं। शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव घरवालों को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गईं। जांच में पता चला है कि जिस इमारत में आग लगी, वह अवैध थी।

>> (विस्तृत समाचार पेज 2 पर)

■ हादसे में सीतापुर के आदित्य श्रीवास्तव की मौत हो गई। सुबह उनका शव घर पहुंचा। बहन निष्ठा भाई के शव से लिपटकर रोने लगी।

गोरखपुर में कोचिंग बंद कर भागे संचालक

लखनऊ के कोचिंग अग्निकांड के बाद गोरखपुर में प्रशासन, अग्निशमन विभाग और गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मंगलवार को कोचिंग संस्थानों का सघन निरीक्षण शुरू किया। जांच की जानकारी मिलते ही कई कोचिंग संचालकों ने अपने संस्थानों पर ताला लगा दिया। >> (शेष पेज 06 पर)

■ हादसे में जान गंवाने वाली अनामिका की मां पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर रोते-रोते बेहोश हो गईं।

अयोध्या में डीएम ने आकाश कोचिंग का किया निरीक्षण

अयोध्या डीएम शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर और मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने जिले के कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया। CCTV, इमरजेंसी अलार्म और अग्नि सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश बोले- अब बुलडोजर किसका इंतजार कर रहा

केजीएमयू में अखिलेश ने कहा- 10 साल से हर घटना में SIT बनती है। लगता है कोई सरकार है ही नहीं। अगर सरकार है तो नियमों का पालन क्यों नहीं करती? इस सरकार में जो एनओसी मिलीं, वो कौन लोग हैं जो अपनी जेब भर रहे थे। इस सरकार में भ्रष्टाचार मानकों पर हावी हो गया है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जो भ्रष्टाचार से सरकार बनी है, वह भ्रष्टाचार ही करेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

इनकी हुई मौत

भविष्य शर्मा (23) सोनीपत, हरियाणा
अनामिका सामंता (30) कोलकाता पश्चिम बंगाल
सौमल्या बेरा (24) साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल
संयम विज (28) कानपुर
सूरज सिंह (27) कानपुर
अनुछा राय (24) लखनऊ
सुखमणि सिंह (24) लखनऊ
ज्योति (26) लखनऊ
मोहम्मद अम्मार (24) बाराबंकी
नीलेश कुमार (27) लखनऊ
जयनील चक्रबर्ती (26) अनूपपुर, मध्य प्रदेश
अब्दुल रहमान (22) लखनऊ
आदित्य श्रीवास्तव (24) सीतापुर
शहजान सिद्दीकी (18) लखनऊ
सागर पंत (28) लखनऊ

गुजरात में आप विधायक को 7 साल की जेल

नर्मदा (गुजरात)। गुजरात में डेडियापाड़ा सीट से आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा की विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई है। नर्मदा जिले की कोर्ट का फैसला आने के बाद गुजरात के डिप्टी स्पीकर पूर्णेश मोदी ने इसकी जानकारी दी। नर्मदा जिले की एक कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी और 7 अन्य को 7-7 साल जेल की सजा सुनाई है। इन पर वन-विभाग के अधिकारियों से मारपीट और वसूली का आरोप था। सजा के अलावा विधायक की पत्नी और अन्य पर 96 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कुल 9 आरोपियों में 4 महिलाएं शामिल हैं। मामला 30 अक्टूबर 2023 का है। आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने जंगल की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटा दिए थे। इस पर वसावा ने पांच अधिकारियों को अपने घर बुलाया था।

राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

■ 20 पेज की रिपोर्ट में एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में SIT ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें FIR दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का CEO नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए SIT ने और समय मांगा है।

रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

भरत तिवारी एनकाउंटर में पुलिस वालों पर हत्या का केस हुआ दर्ज

एफआईआर में लपेटे गए डीएसपी और थानेदार

मुकदमा

तमसा संकेत, एजेंसी

आरा। बिहार के भोजपुर जिले में चर्चित भरत तिवारी की एनकाउंटर में मौत होने के 5 दिन बाद पुलिस वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ है। मृतक के परिजन द्वारा दिए गए आवेदन पर शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इसमें जगदीशपुर के एसडीपीओ डीएसपी राजेश शर्मा, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार को नामजद और उनके साथ मुठभेड़ के दौरान मौजूद रहे

अन्य पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया है। इस एनकाउंटर में पुलिस वालों पर लगातार परिजन, स्थानीय लोग और राजनेताओं के द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। सियासी हंगामा बढ़ने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से मामले की जांच कराने का आदेश दे चुके हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

थानेदार समेत 5 पुलिसकर्मी हो चुके हैं निलंबित

17 जून की रात को ही शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार समेत 5 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया था। भोजपुर के एसपी राज ने कहा था कि भरत तिवारी द्वारा पुलिस कर्मियों पर पिस्टल तानने का जो वीडियो वायरल हुआ था, उसमें थानेदार ने समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दिल्ली में 11 साल की मासूम से रेप

नई दिल्ली। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी।

खींचतान तेजी

टीएमसी ने ममता को पार्टी प्रमुख बताया

कोलकाता। असली तृणमूल कांग्रेस (TMC) को लेकर ममता बनर्जी और बागी गुट में खींचतान तेज हो गई है। बागी गुट के दावे के एक दिन बाद मंगलवार को TMC ने चुनाव आयोग को पार्टी के पदाधिकारियों और नेशनल वर्किंग कमेटी की नई लिस्ट भेजी है। लिस्ट में ममता बनर्जी को पार्टी का अध्यक्ष बताया गया है। सुब्रत बक्शी को उपाध्यक्ष और अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव बताया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग को भेजी गई लिस्ट 20 जून तक की संगठनात्मक स्थिति के आधार पर तैयार की गई है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को कुरियन के इस्तीफे की जानकारी दी। प्रेस रिलीज में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा स्वीकार किया है। हालांकि, इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है।

‘कॉकरोच जनता पार्टी दहशतगर्दों की बी टीम’

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया बयान

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को दहशतगर्दों की B टीम बताया। उन्होंने कहा जिन्हें डेमोक्रेसी में रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है।

दरअसल, सोशल मीडिया संगठन CJP पिछले 4 दिन से दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहा है। फाउंडर अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है।

■ राहुल ने कहा- शिक्षा व्यवस्था आज वसूली तंत्र बना

■ नीट पेपर लीक में अब तक 13 गिरफ्तारी

>> (शेष पेज 06 पर)

65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

क्रिकेटर रोहित शर्मा पद्मश्री से सम्मानित, सिंगर अलका याग्निक ने पद्म भूषण लेने से पहले मोदी के पैर छुए

सम्मान

■ हॉकी प्लेयर सविता पूनिया को पद्मश्री अवॉर्ड मिला

■ एक्टर आर माधवन को कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान

■ एक्टर सतीश शाह को मरणोपरांत पद्मश्री अवॉर्ड, भाई ने लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म अवॉर्ड के दूसरे फेज में 65 हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री दिए गए।

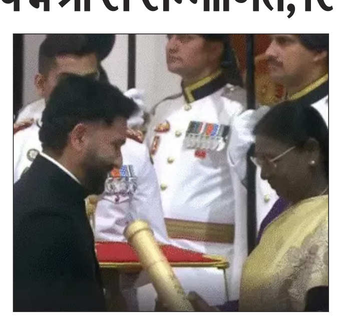

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस केटी थॉमस को जनसेवा, सीनियर मलयालम जर्नलिस्ट पी नारायणन को साहित्य के लिए पद्म विभूषण दिया गया। झारखंड के पहले मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया। अवॉर्ड लेने उनकी पत्नी रूपी सोरेन पहुंची। 2026 के पद्म पुरस्कारों के लिए कुल 131 लोगों को चुना गया था। इससे पहले 25 मई को पहले चरण में भारतीय वुमन क्रिकेट टीम कैप्टन हरमनप्रीत कौर, एक्टर धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों पद्म अवॉर्ड दिए गए थे। पद्मश्री प्राप्त करने वाली हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया भारतीय महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम की पूर्व कप्तान, मौजूदा गोलकीपर हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

■ भारतीय शास्त्रीय गायक मंगला कपूर को पद्मश्री से सम्मानित किया। ग्वालियर घराने से ट्रेनिंग लेने वालीं मंगला प्रदर्शन, शिक्षण और शोध से भारतीय शास्त्रीय संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सिंगर अलका याग्निक ने अवॉर्ड लेने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छुए। क्रिकेटर रोहित शर्मा, एक्टर आर माधवन को पद्मश्री से नवाजा गया। पुरस्कार पाने वालों में एक्टर ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे।

कुश्ती के लिए रूस के कोच व्लादिमीर को मरणोपरांत पद्मश्री

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल के क्षेत्र में व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली (मरणोपरांत) को पद्मश्री से सम्मानित किया।

वे फ्रीस्टाइल रेसलिंग के दिग्गज कोच थे और उन्होंने ग्लोबल रेसलिंग कम्युनिटी पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने भारतीय रेसलिंग टीम के कोच के तौर पर काम किया।

उन्होंने सुशील कुमार, योगेश्वर दत्त और बजरंग पुनिया जैसे ओलंपिक मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को गाइड किया और भारत को रेसलिंग में ग्लोबल पावरहाउस बनाने में मदद की।

पुणे में सोनम रघुवंशी जैसा केसः केतन मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर गए थे

बिजनेसमैन की बेटी ने मंगेतर को खाई में फेंका

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे में इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड से मिलती-जुलती वारदात सामने आई है। यहां 26 साल के केतन विशाल अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) ने मिलकर हत्या कर दी।

पुलिस का आरोप है कि दोनों ने केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई में धक्का दिया और इसे हादसा बताने की कोशिश की। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। बाद में उनका शव खाई से मिला। केतन पुणे जिले के गहुंजे के रहने वाले थे और परिवार के रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर थे। वहीं सिया पुणे के एक बड़े मसाला व्यापारी की बेटी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सिया गोयल, आरोपी

महाबलेश्वर में बर्थडे पार्टी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केतन और सिया शादी से पहले बाली घूमने जाने वाले थे। सारी बुकिंग भी हो गई थी लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर ट्रिप कैंसिल करा दी। केतन ने सिया के बर्थडे के लिए महाबलेश्वर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे बुक कराए थे।

14 जून को हत्या की पहली कोशिश की

जांच में सामने आया कि सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन ने 14 जून को ही लोहागढ़ किले पर केतन को मारने की योजना बनाई थी। आरोप है कि दोनों ने सांप का डर पैदा कर उसे खाई में धकेलने की कोशिश की, लेकिन प्लानिंग फेल हो गई। केतन को भी शक नहीं हुआ। इसके बाद 19 जून को सिया ने दोबारा ट्रेकिंग का प्लान बनाया गया और केतन को किले से नीचे धक्का दे दिया गया।

■ सर्च ऑपरेशन के बाद केतन को खाई में ढूंढा गया, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

चेतन से पूछताछ के बाद सिया गिरफ्तार हुई

शक के आधार पर स्थानीय क्राइम ब्रांच ने चेतन को हिरासत में लिया। उससे पूछताछ के बाद सिया गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि केतन के पिता विशाल अग्रवाल की शिकायत पर मंगलवार को हत्या और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ने, फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने और यह पता लगाने में जुटी है कि साजिश में कोई और भी शामिल था या नहीं। लोहागढ़ किला मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास से जुड़ा हुआ है। यह महाराष्ट्र के 12 यूनेस्को विश्व धरोहर किलों में शामिल है।

सेंसेक्स 893 अंक गिरकर 76,200 पर हुआ बंद

मेटल-आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

गिरावट

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। सेंसेक्स आज यानी मंगलवार, 23 जून को 893 अंक की गिरावट के साथ 76,200 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 278 अंक की गिरावट रही, ये 23,824 पर बंद हुआ। आज के कारोबार में आईटी और मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। वहीं ब्लॉक डील के जरिए प्रमोटर की 2,149 करोड़ की हिस्सेदारी बिकने के बाद वेदांता का शेयर 8% गिरकर बंद हुआ। भारत में 'कॉर्डेलिया क्रूज' ब्रांड नाम से समुद्री क्रूज का संचालन करने वाली कंपनी वाटरवेज लेजर टूरिज्म लिमिटेड का IPO आज यानी मंगलवार, 23 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह पब्लिक इश्यू गुरुवार, 25 जून तक खुला रहेगा। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 585 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए प्राइस बैंड 769 से 808 प्रति शेयर तय किया गया है।

■ निवेशकों को 1 ही दिन में 6 लाख करोड़ का नुकसान, सेंसेक्स 900 पॉइंट टूटा

>> (शेष पेज 06 पर)

16 शहरों में बारिश का अलर्ट, 38 जिलों में लू चल रही, 3-4 दिन में मानसून की एंट्री हो सकती है

नोएडा-गाजियाबाद में धूलभरी आंधी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून का इंतजार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के बॉर्डर पर पहुंचकर मानसून अटक गया है। इससे गर्मी बढ़ गई है। उमस से लोगों का हाल बेहाल है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेज धूप है। भीषण गर्मी और उमस हो रही है। हालांकि, दोपहर बाद नोएडा-गाजियाबाद और मेरठ में मौसम बदल गया। धूलभरी आंधी चलने लगी। हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी./घंटा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, यूपी में मानसून की एंट्री में 3-4 दिन का समय लग सकता है। आमतौर पर 20 जून तक मानसून यूपी में एंट्री कर लेता है। लेकिन, इस बार यूपी-बिहार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद आगे नहीं बढ़ पा रहा है। पिछले 15 दिनों से यह महराजगंज के पास रुका है। 24 घंटे में इसके आगे बढ़ने और 26-27 जून तक पूरे यूपी पहुंचने के आसार हैं।

मंगलवार को 16 शहरों में बारिश और 38 शहरों में हीटवेव का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे की बात करें, तो प्रयागराज (43.3°C) देश में सबसे गर्म शहर रहा। गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, मऊ, गाजीपुर और बलिया में बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ उखड़कर कार पर गिर गया। सड़क पर यूनिपोल गिरने से भारी ट्रैफिक जाम लग गया। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा-यूपी में फिलहाल कोई मौसमी सिस्टम सक्रिय नहीं है, इसलिए पूर्वी यूपी में लू के हालात बने हुए हैं। अगले एक हफ्ते तक तापमान बढ़ेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण और मध्य भारत से आगे बढ़ गया है। अगले 48 घंटों में इसके और आगे बढ़ने की संभावना है। इसके बाद उत्तर भारत में भी मौसम की गतिविधियों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

12 दिन की देरी से मुबंई पहुंचा मानसून, 3-4 दिनों में यूपी में एंट्री

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 12 दिन की देरी के बाद मंगलवार को मुबंई पहुंच गया। आमतौर पर मानसून 11 जून तक मुंबई पहुंच जाता है। दक्षिण पश्चिम मानसून अब तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में गुजरात और मध्य प्रदेश में पहुंच सकता है। इसके बाद 3-4 दिनों में उत्तर प्रदेश में भी एंट्री होगी।

बस्ती में पेड़ उखड़कर कार पर गिर गया। कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

मेरठ में मंगलवार दोपहर बाद मौसम अचानक बदल गया। तेज धूलभरी आंधी चली। जबकि सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग बेहाल रहे। कई क्षेत्रों में दृश्यता प्रभावित हुई और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर तक सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया था और बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल दिखाई दी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले बिंदुओं पर विभागवार प्रगति, रैंकिंग एवं लक्ष्य पूर्ति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें तथा योजनाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं है, वे व्यक्तिगत रुचि लेते हुए कमियों का तत्काल निराकरण करें। सी, डी एवं ई श्रेणी में शामिल विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा उदासीनता की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से फैमिली आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से प्राप्त लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए प्रतिदिन प्रगति की मॉनिटरिंग करें। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन, छात्र उपस्थिति, पर्यटन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना, ग्रामीण अभियंत्रण, सेतु निर्माण, किसान सम्मान निधि, मनरेगा, दुग्ध विकास, दिव्यांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, युवा स्वरोजगार, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रगति में और तेजी लाने के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह आज

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर परिसर स्थित शेषावतार मंदिर के शिखर पर मंगलवार यानी आज ध्वजारोहण समारोह है। कार्यक्रम में प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, लेकिन लखनऊ में अग्निकांड के चलते दोनों को दौरा रद्द कर दिया गया है।

निर्माण कार्यों में देरी और गुणवत्ता में कमी पर होगी जवाबदेही तयः डीएम

बाराबंकी । कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी के साथ जनपद में 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के साथ-साथ संबंधित विभागों के अधिकारी भी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें तथा निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखें।

दिशा पाटनी ने अक्षय के लिए घर से खाना मंगाया

बरेली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोमवार को एक्टर अक्षय कुमार, राजपाल यादव और भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के साथ बरेली पहुंचीं। एयरपोर्ट पहुंचते ही दिशा ने पिता को फोन कर घर का बना खाना मंगवाया। पिता घर की दाल, चावल, सब्जी और रोटी लेकर एयरपोर्ट पहुंचे। दिशा के साथ अक्षय, अक्षरा और राजपाल ने भी घर के खाने का लुत्फ उठाया।

एफएसएल की टीम ने मौके से जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य, निर्धारित समय में आएगी जांच रिपोर्टः प्रवीण कुमार

एसआईटी ने की अग्निकांड स्थल की पड़ताल, घायलों से भी मिला जांच दल

घायलों से मिली जानकारी व साक्ष्य के आधार पर कई लोगों से होगी पूछताछः अमृत अभिजात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज कोचिंग अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध निर्माणों और नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को मंगलवार शाम पांच बजे तलब कर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस भवन में हादसा हुआ, वहां

कोचिंग सेंटर के अलावा पेट शॉप, क्लीनिक और एनिमेशन सेंटर भी संचालित किए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि भवन निर्माण और उपयोग से जुड़े कई नियमों का उल्लंघन किया गया था।

इस भयावह हादसे में कई पालतू जानवर भी आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तेज गति से जारी है जांच

- लखनऊ अग्निकांड के बाद यूपी सरकार का सख्त कदम।
- प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे होगा।
- अवैध संस्थानों पर कार्रवाई, सुरक्षा मानकों की जांच।

प्रदेश में वर्तमान में सिर्फ 3152 कोचिंग संस्थान ही पंजीकृत हैं, जबकि अनुमान है कि इससे कई गुणा अधिक कोचिंग सेंटर बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे हैं। ऐसे संस्थानों का विभाग के पास रिकार्ड भी नहीं है। कई स्थानों पर छोटे कमरों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाकर कोचिंग चलाई जा रही है, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के अनुसार किसी भी कोचिंग संस्थान को संचालन से पहले संबंधित प्रशासनिक अधिकारी से पंजीकरण कराना जरूरी है। बिना वैध प्रमाणपत्र के कोचिंग चलाना अवैध माना जाता है।

एफएसएसओ ने सीएम को लिखा पत्र- छोटे अफसरों पर कार्रवाई की गई

लखनऊ अग्निकांड मामले में निलंबित FSSO कमलेंद्र सिंह ने CM योगी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा है कि छोटे स्तर के अधिकारी पर कार्रवाई की गई। यह अन्यायपूर्ण है। मेरा कार्यक्षेत्र सीमित है। CFO के पास सारे अधिकार हैं। उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। CFO ही NOC देते हैं। दमकल देर से पहुंची, इसके लिए CFO जिम्मेदार हैं।

लखनऊ अग्निकांड चारों आरोपियों को जेल भेजा

लखनऊ में हुए अग्निकांड में गिरफ्तार चारों आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को कोर्ट में पेश किया। वहां से उन्हें 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। जेल भेजे गए आरोपियों में बिल्डिंग के मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, बिल्डिंग में अलीगंज पेट शॉप एंड क्लीनिक चलाने वाले रामकृष्ण उपाध्याय, हेक्सा थ्रीडी एनिमेशन और हेड हूपर्स इंस्टीट्यूट चलाने वाले तुशाक कृष्णा जायसवाल और सुरेश कुमार साहू शामिल हैं।

एसआईटी ने घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए

वहीं, एसआईटी ने मंगलवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली। जांच दल आग लगने के कारणों, भवन की वैधता, सुरक्षा मानकों की स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही के पहलुओं की गहन जांच कर रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट जल्द ही शासन को सौंपी जा सकती है।

खेती का काम करने फॉर्म पर गया था, 4 टीमें ढूंढ रहीं, 7 जेलकर्मी सस्पेंड

बरेली सेंट्रल जेल से उम्रकैद का कैदी भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा एक बंदी सोमवार को फरार हो गया। घटना सामने आते ही डीजी जेल पीसी मीणा ने 7 अफसरों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक अविनाश गौतम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट शासन को भेजी है।

डीजी जेल ने बताया- सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे जेल के बाहर कृषि फार्म कमान नंबर-1 से एक बंदी के गायब होने की सूचना मिली। इसके तुरंत बाद जेल परिसर में अलार्म बजाया गया। अफसरों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि कृषि कार्य के लिए भेजा गया बंदी दिनेश कुमार भाग गया है। वह अमरोहा के नन्हेड़ा गांव का रहने वाला है। इसके बाद जेल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया।

कैदी के भागने की खबर मिलते ही जेल प्रशासन ने चार अलग-अलग सर्च टीमें बनाईं। इन टीमों को रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और अन्य संभावित स्थानों पर भेजा गया। फरार बंदी की सूचना स्थानीय पुलिस के साथ अमरोहा पुलिस को भी दी गई है। जेल प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार उसकी तलाश में जुटी हैं।

यह तस्वीर बंदी दिनेश की है। जेल के बाहर फार्म हाउस में काम करते समय मौका पाकर वह भाग गया।

पॉक्सो मामले में काट रहा था उम्रकैद

बंदी दिनेश को अमरोहा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 9 जनवरी, 2026 को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और जुर्माने की सजा सुनाई थी। उसे 19 अप्रैल, 2026 को बिजनौर के जिला कारागार से स्थानांतरित कर बरेली केंद्रीय कारागार भेजा गया था। जेल रिकॉर्ड के अनुसार, सोमवार सुबह 7:22 बजे दिनेश कुमार को 45 अन्य बंदियों के साथ कृषि कार्य के लिए बाहरी फार्म पर भेजा गया था। उसकी निगरानी के लिए कई जेलकर्मी और पुलिसकर्मी तैनात थे। कमान प्रभारी, हेड जेल वार्डर, जेल वार्डर और पुलिस विभाग के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर मौजूद थे। इसके बावजूद दिनेश भाग गया।

7 अधिकारी कर्मचारी सस्पेंड

प्रारंभिक जांच में सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर डीजी जेल पीसी मीणा ने जेलर, डिप्टी जेलर, हेड जेल वार्डरों और जेल वार्डरों समेत 7 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया। सभी के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान अगर अन्य कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

जीडीए टॉवर में 3 महीने बाद शुरू हुई पानी सप्लाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के गोलघर GDA टॉवर में लगभग 3 महीने से पानी की सप्लाई, बिल्डिंग और वाशरूम में फैली गंदगी को लेकर पिछले दिनों टीम ने विस्तृत खबरें चलाई। इसके एक बाद से ही प्रशासनिक महकमें में हलचल शुरू हो गई। नतीजा यह हुआ कि लगभग एक हफ्ते के बाद पानी की समस्या दूर हो गई। अंडर ग्राउंड में चल काम में तेजी लाया गया। शनिवार की शाम से ही हर फ्लोर के वाशरूम में पानी आना शुरू हो गया। जिससे वहां काम करने वाले लोगों को काफी हद तक राहत मिली। हालांकि उनका कहना है कि गंदगी हर तरफ बरकार है। बरसात शुरू होने से पहले ही पार्किंग में जलजमाव समस्या बनी हुई है। सफाई हो जाए तो GDA टॉवर की बिल्डिंग पहले की तरह चमकने लगेगा। साथ ही हमारी शिकायत भी दूर हो जाएगी। जानकारी के मुताबिक GDA टॉवर

दुकानदार बोले- बारिश से पहले पार्किंग में जलभराव जैसी समस्या दूर हो

का अधिकार लगभग तीन महीने पहले नगर निगम को सौंप दिया गया। जिसके बाद से ही समस्या शुरू हुई। दुकानदारों के मुताबिक कैंपस के अंदर जगह कम होने के बावजूद बाहरी गाड़ियों के लिए पार्किंग स्थल बनाने से काफी ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है।

अपनी गाड़ी पार्क करने में भी दिक्कत होती। ऊपर दुकानों के सामने बेतरतीब गाड़ियों की वजह से कस्टमर आने- जाने में असहज महसूस करते हैं।

जांच : प्रयागराज में कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरीज की पड़ताल में मिलीं खामियां

एंट्री-एग्जिट का एक रास्ता, फायर अलार्म भी नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रयागराज में अग्निशमन विभाग ने एक्शन शुरू कर दिया है। मंगलवार को कर्नलगंज क्षेत्र स्थित कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी और अन्य शिक्षण संस्थानों की जांच के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी गंभीर कमियां सामने आई हैं, जिसके बाद संचालकों को आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। CFO चंद्र मोहन शर्मा ने बताया- मुख्यालय के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी की जांच कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वहां अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं।

संदेश अकादमी में सामने आईं कई खामियां

अभियान की शुरुआत इंडियन प्रेस चौराहे के पास स्थित संदेश अकादमी कोचिंग सेंटर से हुई। जांच के दौरान यहां लगाए गए स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म सहित कई अग्निशमन उपकरण निष्क्रिय अवस्था में पाए गए। टीम ने पाया कि आपात स्थिति में उपयोग किए जाने वाले कई सुरक्षा उपकरण कार्य नहीं कर रहे थे। इससे किसी दुर्घटना की स्थिति में छात्रों को गंभीर खतरा हो सकता है।

अन्य संस्थानों की भी होगी जांच

अधिकारियों के अनुसार अभियान केवल एक या दो संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित अन्य कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी और शिक्षण संस्थानों का भी निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो चरणबद्ध तरीके से जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगी।

एग्जिट पर सुरव्यवस्था अधूरी मिली

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि संस्थान में अग्निशमन विभाग की ओर से निर्धारित कई अन्य जरूरी मानकों का भी पालन नहीं किया गया। अलग प्रवेश और निकास मार्ग, होज रील, पर्याप्त क्षमता का पानी का टैंक, अग्निशमन यंत्र तथा इमरजेंसी लाइटिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं थीं या मानकों के अनुरूप नहीं थीं। इस पर अधिकारियों ने भवन संचालक को तत्काल कमियां दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि संस्थान में अग्निशमन विभाग की ओर से निर्धारित कई अन्य जरूरी मानकों का भी पालन नहीं किया गया। अलग प्रवेश और निकास मार्ग, होज रील, पर्याप्त क्षमता का पानी का टैंक, अग्निशमन यंत्र तथा इमरजेंसी लाइटिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं थीं या मानकों के अनुरूप नहीं थीं। इस पर अधिकारियों ने भवन संचालक को तत्काल कमियां दूर करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज में खान सर की कोचिंग सील

पीडीए ने तीन कोचिंग समेत खान सर की कोचिंग बंद किया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा और मानकों की जांच तेज हो गई है। इसी कड़ी में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मानकों का पालन न करने पर सिविल लाइंस स्थित खान ग्लोबल क्लासेज को सील कर दिया गया है।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज के निर्देश पर जोन संख्या-1 के जोनल अधिकारी गंगेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने मंगलवार को यह कार्रवाई की। सीलिंग से पहले

कोचिंग संस्थान में मौजूद छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कार्यालय बंद कराकर परिसर को खाली कराया गया, जिसके बाद बिल्डिंग के संबंधित हिस्से को सील कर दिया गया। कार्रवाई के बाद कोचिंग संस्थान के बाहर एक नोटिस भी चस्पा किया गया है। इसमें स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि बिना अनुमति सील तोड़ने या दोबारा कोचिंग का संचालन शुरू करने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जोनल अधिकारी गंगेश कुमार सिंह ने बताया कि खान ग्लोबल क्लासेज जिस भवन में संचालित हो रहा था, उसका नक्शा व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वीकृत है। हालांकि, कोचिंग संस्थान का संचालन सामुदायिक सुविधा की श्रेणी में आता है। भवन के लिए सामुदायिक सुविधा भू-उपयोग की स्वीकृति नहीं ली गई थी, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई।

सुरक्षा से लेकर सुविधाओं तक हर व्यवस्था की हुई पड़ताल, संचालकों को दिए स्पष्ट निर्देश

कोचिंग और लाइब्रेरी पर प्रशासन की पैनी नजर

जायजा

बृजेंद्र वीर सिंह

> निरीक्षण के दौरान अध्ययन कक्षों की व्यवस्था, बैठने की क्षमता, स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और अनुकूल अध्ययन वातावरण मिले।

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हजारों छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर प्रशासन ने मंगलवार को बड़ा निरीक्षण अभियान चलाया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न लाइब्रेरी एवं कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रामेश्वरम लाइब्रेरी, परफेक्ट डिजिटल लाइब्रेरी, सौम्या लाइब्रेरी, एसएस फाउंडेशन क्लासेज और सिग्मा ट्यूटोरियल्स कोचिंग संस्थान का भ्रमण किया। इस दौरान सुरक्षा मानकों से लेकर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तक हर पहलू की गहन समीक्षा की गई।

पुलिस अधीक्षक ने संस्थानों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रवेश और निकास बिंदुओं की निगरानी प्रभावी होनी चाहिए। सभी कैमरे नियमित रूप से संचालित रहें और उनका रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए संचालकों को सतर्कता बरतने और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संस्थानों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन हर समय उपलब्ध और क्रियाशील रहें। निरीक्षण के दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस नीतीश तिवारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

अग्निशमन व्यवस्था और इमरजेंसी निकास पर विशेष फोकस

अधिकारियों ने संस्थानों में लगे अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की जांच की। साथ ही आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए बनाए गए इमरजेंसी एग्जिट मार्गों का भी निरीक्षण किया गया। विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, भवन की सुरक्षा और अन्य आवश्यक संसाधनों की स्थिति की भी जानकारी ली गई। जहां आवश्यक हुआ, वहां संचालकों को व्यवस्थाएं और बेहतर करने के निर्देश दिए गए।

मुहर्रम से पहले अकबरपुर में फ्लैग मार्च संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ी निगरानी

लोरपुर सहित मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पुलिस और पैरामिलिट्री का मार्च

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुहर्रम को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सोमवार को अकबरपुर के लोरपुर समेत कई मुस्लिम बाहुल्य और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस और पैरामिलिट्री बल ने फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च ताजिया जुलूस के पारंपरिक मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस वाहन भी टीम के साथ मौजूद रहे।

फ्लैग मार्च के दौरान संवेदनशील इलाकों और जुलूस मार्गों की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश देना रहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

मार्च के दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया। कई स्थानों पर लोगों ने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिया।

इलाके में सुरक्षा बलों की मौजूदगी से सामान्य माहौल बना रहा और लोगों में सुरक्षा का भरोसा देखा गया।

इस मौके पर एसडीएम प्रतीक्षा सिंह और सीओ नीतीश कुमार तिवारी ने बताया कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उन्होंने कहा कि ताजिया जुलूस मार्गों का चिह्नांकन कर लिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है।

प्रशासन ने संकेत दिया है कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था लगातार सक्रिय रहेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल की तैनाती और नियमित गश्त की व्यवस्था की जाएगी।

फास्ट न्यूज

शहजादपुर सब्जी मंडी में कूड़े का अंबार

अम्बेडकरनगर। शहजादपुर स्थित पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में कूड़े के ढेर और गंदगी का मामला सामने आया है। मंगलवार रात क्षेत्र में फैले कचरे और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था का दृश्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से यहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं दिखाई दे रही है। क्षेत्र की विशेष बात यह है कि यहां से मोहर्रम के छठवीं तारीख के जुलूस का मार्ग भी गुजरता है।

आबादी के बीच देसी शराब की दुकान का विरोध

अम्बेडकरनगर। बेवाना क्षेत्र के मूसईतपुर गांव में संचालित देसी शराब की दुकान को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर दुकान को आबादी वाले क्षेत्र से हटाकर अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि देसी शराब की दुकान घनी आबादी के बीच स्थित है। दुकान के आसपास स्कूल, मंदिर और बड़ी संख्या में आवासीय मकान हैं। ऐसे क्षेत्र में शराब की दुकान संचालित होने से स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मिशन शक्ति केंद्र में सुलझा पति-पत्नी का विवाद

अम्बेडकरनगर। मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना कोतवाली अकबरपुर स्थित मिशन शक्ति केंद्र में मंगलवार को एक पारिवारिक विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कराया गया। पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवाद और घरेलू कलह से संबंधित प्रार्थना पत्र मिलने के बाद पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को केंद्र पर बुलाया।

एसपी कार्यालय में जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण के लिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रकरणों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि शिकायतों की जांच में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक मामले में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाए। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, उत्पीड़न तथा अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। प्राप्त प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सीधा मंच उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में पुलिस कार्यालय में नियमित रूप से जनसुनवाई की व्यवस्था संचालित की जा रही है, ताकि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो सके। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए।

- आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए प्रकरण

यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों का पर्याप्त भंडार फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील

उर्वरक वितरण के लिए किसान पहचान पत्र और फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में खरीफ सीजन को देखते हुए यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

जून माह तक जिले में यूरिया के लक्ष्य 7135 मीट्रिक टन के सापेक्ष 27068 मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया। इसी तरह डीएपी 2650 मीट्रिक टन के लक्ष्य के मुकाबले 5874 मीट्रिक टन, एनपीके 484 मीट्रिक टन के सापेक्ष 3566 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 3427 मीट्रिक टन के लक्ष्य के मुकाबले 16986 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ।

वितरण के बाद वर्तमान में जिले में 21594 मीट्रिक टन यूरिया, 4354 मीट्रिक टन डीएपी, 3116 मीट्रिक टन एनपीके, 15163 मीट्रिक टन एसएसपी और 122 मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध है।

जिले के सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को किसान पहचान पत्र और फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही उर्वरक बिक्री करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही शाम छह बजे के बाद उर्वरक बिक्री पर रोक लगाई गई है।

निर्देशों का उल्लंघन करने वाले निजी एवं सहकारी क्षेत्र के विक्रेताओं के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बिना फार्मर रजिस्ट्री नहीं मिलेगा उर्वरक

जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री जल्द कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं बनी है, वे पंचायत सहायक, जन सेवा केंद्र या कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों की मदद से पंजीकरण करा सकते हैं। इससे उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

अब पशुपालकों को घर पर मिलेगी त्वरित पशुचिकित्सा सेवा

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट को लेकर नए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में पशुपालकों को आकस्मिक पशुचिकित्सा सेवाएं और बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल वेटरिनरी यूनिट (एमवीयू) सेवा को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को शासन की नई व्यवस्था के अनुसार सेवा संचालन सुनिश्चित करने को कहा है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मोबाइल वेटरिनरी यूनिट योजना का उद्देश्य पशुपालकों को उनके घर के पास त्वरित और गुणवत्तापूर्ण पशुचिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था के तहत जिले में संचालित सभी मोबाइल वेटरिनरी यूनिट वाहनों का उपयोग पूरी तरह आकस्मिक पशुचिकित्सा सेवाओं के लिए किया जाएगा।

इससे बीमार और घायल पशुओं के उपचार में तेजी आएगी तथा पशुपालकों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकेगी।

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मोबाइल वेटरिनरी यूनिट प्रतिदिन निर्धारित ग्रामों में पहुंचेगी। वहां शिविर लगाकर पशु चिकित्सा, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, रोग नियंत्रण और विभागीय योजनाओं की जानकारी से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

इसके साथ ही टोल फ्री नंबर 1962 पर प्राप्त शिकायतों और कॉलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

'पीडीए' पर सवालों की बौछार, कटारिया बाग सम्मेलन में सपा पर सीधा हमला

बसपा का शक्ति प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर स्थित कटारिया बाग में मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कार्यकर्ता सम्मेलन ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया। मंच से प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने समाजवादी पार्टी (सपा) के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे को लेकर तीखे सवाल उठाए और इसे राजनीतिक दिखावा बताया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा का पीडीए नारा जमीन पर उतना प्रभावी नहीं दिखता, जितना मंचों से प्रचारित किया जाता है। उन्होंने इसे 'राजनीतिक ढोंग' बताते हुए कहा कि जनता अब वास्तविकता और प्रचार के फर्क को समझने लगी है।

उन्होंने दावा किया कि सपा की राजनीति में परिवार केंद्रित निर्णय प्रमुख भूमिका निभाते हैं, जबकि सामाजिक न्याय का दावा केवल भाषणों तक सीमित रहता है। कार्यकर्ता सम्मेलन का सबसे बड़ा राजनीतिक संकेत अकबरपुर विधानसभा सीट को लेकर रहा। प्रदेश अध्यक्ष ने मनोज वर्मा को इस सीट का प्रत्याशी और प्रभारी घोषित किया।

घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया और इसे संगठनात्मक मजबूती की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान पर फोकस किया गया। पदाधिकारियों को जमीनी स्तर पर कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को लेकर पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। अकबरपुर में हुए इस सम्मेलन के बाद जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सपा और बसपा के बीच बयानबाजी ने आने वाले समय में राजनीतिक मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है।

परिवारवाद पर केंद्रित रहा हमला

सम्मेलन में बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टिकट वितरण और संगठनात्मक फैसलों में सीमित परिवारों का प्रभाव स्पष्ट दिखता है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कई क्षेत्रों में एक ही परिवार के लोग अलग-अलग सीटों पर चुनाव लड़ते हैं, जिससे पार्टी की आंतरिक राजनीति पर सवाल उठते हैं।

ब्राह्मण समाज को लेकर बसपा का दावा

ब्राह्मण मतदाताओं के सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बसपा ने हमेशा सभी वर्गों को साथ लेकर राजनीति की है। उन्होंने 2007 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय की सामाजिक समीकरण रणनीति को प्रदेश में व्यापक समर्थन मिला था।

बिजली विभाग पर रिश्वत और फर्जी मुकदमे का आरोप

उपभोक्ता ने 12 हजार रुपये मांगने का लगाया आरोप, विभागीय जांच शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPPCL) के एक कर्मचारी और दो संविदा कर्मियों पर रिश्वत मांगने और रिश्वत न देने पर उपभोक्ता के खिलाफ कथित रूप से फर्जी मुकदमा दर्ज कराने के आरोप सामने आए हैं। मामला सामने आने के बाद एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हालांकि, ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

आरोप है कि बिजली विभाग के TG-2 कर्मचारी अंकित सिंह और संविदा कर्मी विपुल व विवेक वर्मा ने उपभोक्ता अनिल कुमार पाल से 12 हजार रुपये की मांग की। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर बातचीत के दौरान रकम को लेकर चर्चा सुनाई दे रही है। उपभोक्ता का कहना है कि 17 तारीख को बिजली जांच टीम उसके घर पहुंची थी और कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। आरोप है कि 18 तारीख को रिश्वत की मांग दोबारा की गई। जब उपभोक्ता ने पैसे देने से इनकार किया तो 19 तारीख को उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया। उपभोक्ता का दावा है कि उसने बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी, जिसका ऑडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद विभागीय कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं।

मामले को लेकर अधिशासी अभियंता ने कहा है कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल मामला जांच के स्तर पर है। विभागीय रिपोर्ट के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भरत भूषण तिवारी को दी गई श्रद्धांजलि निष्पक्ष जांच की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। टांडा ब्लॉक के यादवपुर गांव स्थित श्री विघ्नहरण हनुमान मंदिर परिसर में भरत भूषण तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण, नवयुवक और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति की कामना की गई। उपस्थित लोगों ने उनके योगदान और समर्पण को याद किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान परिजनों और ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की। लोगों का कहना है कि घटना की परिस्थितियों की गहन जांच जरूरी है। ग्रामीणों ने कहा कि सत्य सामने आना चाहिए और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सभा में मौजूद लोगों ने न्याय व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखने के लिए पारदर्शी जांच की आवश्यकता बताई। सभा में मौजूद युवाओं ने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे।

- श्री विघ्नहरण हनुमान मंदिर परिसर में जुटे ग्रामीण और समाजसेवी

निर्देश : बच्चों के स्वास्थ्य, वजन निगरानी और पुष्टाहार वितरण पर फोकस

पोषण योजनाओं की समीक्षा बैठक में धीमी प्रगति पर नाराजगी

- एनआरसी रेफरल और कुपोषण मुक्ति अभियान पर जोर
- मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को प्रतिदिन समीक्षा कर प्रगति में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
- विभागीय समन्वय से तेज होगी प्रगति

तमसा संकेत, संवाददाता

> बैठक में अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) भेजने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी।

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, वजन निगरानी, पुष्टाहार वितरण और कुपोषण मुक्त अभियान की स्थिति पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं का लाभ हर पात्र बच्चे तक समय से पहुंचना चाहिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त स्वतः रोजगार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी और मुख्य सेविकाएं मौजूद रहीं।

अधिकारियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी पर जोर दिया, ताकि पोषण अभियान के लक्ष्य समय पर पूरे किए जा सकें।

खराब प्रदर्शन पर कारण बताओ नोटिस, 3 दिन में सुधार के निर्देश

समीक्षा के दौरान कुछ परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तीन दिन के भीतर सभी संबंधित परियोजनाएं अपनी प्रगति में सुधार लाएं। अन्यथा संबंधित अधिकारियों, मुख्य सेविकाओं और ब्लॉक कोऑर्डिनेटरों पर कार्रवाई की जाएगी।

राजेसुल्तानपुर में भूमि विवाद में पुलिस पर पक्षपात का आरोप

कोर्ट में लंबित मामले के बीच जबरन निर्माण कराने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। थाना राजेसुल्तानपुर क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। एक महिला ने थानाध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम सरायहंकार निवासी चानमती ने शिकायत में कहा है कि उसके घर के सामने स्थित भूमि पर विपक्षी पक्ष द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। महिला का आरोप है कि इस दौरान पुलिस की मौजूदगी में निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

पीड़िता के अनुसार मामला न्यायालय में विचाराधीन है और यह वाद अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट में लंबित है।

महिला ने आरोप लगाया है कि विरोध करने पर उसे और उसके परिवार को धमकियां दी जा रही हैं। साथ ही झूठे मुकदमों में फंसाने की चेतावनी भी दी जा रही है।

पीड़िता का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी में उसे घर से हटाने और जमीन पर कब्जा दिलाने का दबाव बनाया गया।

महिला ने आशंका जताई है कि विवाद के चलते उसके परिवार के साथ किसी भी समय अप्रिय घटना हो सकती है। उसने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है।

सम्पादकीय

अमेरिका के भरोसे न रहे भारत

अपने बोतलबंद पानी और स्वास्थ्यवर्धक झरनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के प्रमुख पर्यटन केंद्र एवियां-ले-बान में जी-7 की शिखर बैठक से अधिक उत्सुकता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री मोदी की बैठक को लेकर थी, जो 16 महीनों बाद हो रही थी। औपचारिक न होने के कारण इससे किसी निर्णय की उम्मीद तो नहीं थी, मगर यह अनुमान लगने की आशा अवश्य थी कि टैरिफ जंग छेड़ने के बाद से भारत के हितों और सम्मान को ठेस पहुंचाते आ रहे ट्रंप प्रशासन के फैसलों और बयानों का आपसी रिश्तों पर कितना असर पड़ा है और उनकी भावी दिशा क्या हो सकती है? बैठक से पहले दो-तीन ऐसी घटनाएं हुईं, जिनकी शिकायत करना भी अनिवार्य हो गया था। इससे एक सप्ताह पहले ही अमेरिकी नौसेना ने ओमान की खाड़ी से गुजर रहे तेल टैंकर पर हमला करके तीन भारतीय नाविकों को मार डाला था। एक दिन पहले पेंटागन ने प्रशांत से लेकर हिंद महासागर तक फैले क्षेत्र में अमेरिकी सुरक्षा हितों को देखने वाली अपनी इंडो-पैसिफिक कमान के नाम से इंडो शब्द हटाते हुए उसका पुराना नाम पैसिफिक कमान रखने का एलान किया था। भारत के लिए इससे भी बड़ी चिंता का विषय वह मानचित्र था, जिसे यूएस पैसिफिक कमान के नए नामकरण के साथ दिखाया गया। इस मानचित्र में गुलाम कश्मीर को पाकिस्तान और अक्साई चिन को चीन के भाग के रूप में दिखाया गया है, जिसे भारत कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। ट्रंप के साथ बैठक के बाद प्रेस को दिए वक्तव्यों में पीएम मोदी ने विश्व भर में कार्यरत भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात उठाई। उनका इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों की तरफ था। ट्रंप इस पर पूछे गए सवाल को गोल कर गए। उन्होंने न तो भारतीय नाविकों की मौत पर खेद प्रकट किया और न ही भविष्य में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में कुछ कहा। उन्होंने व्यापार वार्ताओं में प्रगति की बात कही, पर व्यापार समझौता कब तक हो सकता है, इसका कोई संकेत नहीं दिया। भारत की यात्रा करने की बात कही, पर यह यात्रा कब होगी, इसका भी कोई संकेत नहीं दिया। अमेरिका में बसे और वहां जाने के इच्छुक प्रशिक्षित भारतीय सेवाकर्मियों के लिए खड़ी की जा रही मुश्किलों के सवाल पर वे केवल उनकी प्रतिभा की तारीफ करके रुक गए। वास्तव में ट्रंप ने दोनों देशों के संबंधों पर पूछे गए हर कठिन प्रश्न का उत्तर मोदी की तारीफ और उनके साथ अपनी घनिष्ठता की बातों से देने की कोशिश की। ट्रंप की तारीफ और विनोद भरी बातों पर प्रधानमंत्री मोदी की खामोश मुस्कुराहट और हाथ मिलाने के अंदाज में पुरानी गर्मजोशी की जगह थोड़ी असहजता झलक रही थी। ऐसा लगा कि दोनों नेताओं के बीच बैठक में कुछ बेबाक बातें हुईं, जिनकी झेंप मिटाने के लिए तारीफों से माहौल खुशनुमा बनाने की कोशिश की जा रही थी। वैसे गत माह क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह भरोसा दिलाने की कोशिश की थी कि भारत अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक है। वह क्वाड ही नहीं, बल्कि अमेरिका की समूचे हिंद-प्रशांत की रणनीति की आधारशिला है। वहीं, जब भारत ने अपने नाविकों की हत्या पर कड़ा विरोध दर्ज कराया तो रूबियो खेद प्रकट करने की जगह याद दिलाने लगे कि होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीटर हेगसेथ तो रूबियो से भी दो कदम आगे बढ़ गए। उन्होंने अपनी संयुक्त सैनिक कमान के नाम से हिंद शब्द हटा दिया, जिसे 2018 में पिछली ट्रंप सरकार ने ही जोड़ा था। उस समय रक्षा मंत्री रहे जिम मैटिस ने इसके पीछे यह तर्क दिया था कि चीन के नौसैनिक विस्तार और उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं को देखते हुए हिंद महासागर को रणनीतिक दृष्टि से प्रशांत महासागर से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उस समय यह भी माना गया था कि अमेरिका के लिए भारत एशिया में शक्ति संतुलन से जुड़ी रणनीति की अनिवार्य धुरी बन चुका है। क्वाड के जरिये अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया की साझा सामरिक रणनीति बनाने का उद्देश्य भी यही था, लेकिन वर्तमान ट्रंप सरकार के सत्ता में आने के बाद से गाड़ी उलटी दिशा में चलती नजर आती है। क्वाड की शिखर बैठक पिछले दो साल से नहीं हुई है। अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के हिंद-प्रशांत अध्याय में भारत का उल्लेख न के बराबर हुआ है। गत मई की चीन यात्रा के बाद से ट्रंप ने अमेरिका और चीन की नई जोड़ी 'जी2' को विशेष महत्व देना शुरू कर दिया है। अपनी संभावित भारत यात्रा की बात करते समय भी वे जी-2 शिखर बैठक का जिक्र करने से नहीं चूके। देखा जाए तो प्रशांत क्षेत्र की संयुक्त सैन्य कमान को हिंद-प्रशांत कमान का नाम देना, क्वाड को सुदृढ़ बनाना और भारत को अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में रखना न चीन को रास आ रहा था, न पाकिस्तान को।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

> वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है? अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है। कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती।

ललित गर्ग

बंदियों को तंग ...

डा. विनोद बब्बर

आपातकाल : लोकतंत्र का काला अध्याय

देश भर के असंख्य राजनैतिक कार्यकर्ता मीसा के तहत गिरफ्तार किये गये। प्रेस पर सेंसर लागू कर प्रत्येक समाचारपत्र को छपने से पूर्व जिलाधिकारी को पढ़वाकर उसकी अनुमति लेने जैसे अभूतपूर्व प्रावधान किये गए उसे जनविश्वास के बाद न्यायिक मान्यता खो चुके प्रधानमंत्री द्वारा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को बंधक बनाने के अतिरिक्त आखिर क्या नाम दिया जा सकता है?

जब-जब जून आता है, प्रत्येक सजग भारतीय लोकतंत्र को कलंकित करने वालों के काले कारनामों की स्मृतियों से सहम उठता है। उसे भुलाये नहीं भूलता, 23 जून, 1953 का वह दिन जब श्रीनगर जेल में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुकर्जी का बलिदान हुआ था। दूसरी घटना है 12 जून 1975 को एक ओर गुजरात विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय का मुह देखना पड़ा था तो उसी दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रायबरेली से चुनाव लड़ने वाले श्री राजनारायण की याचिका पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर उन्हें छह वर्ष तक चुनाव के लिए अयोग्य करार दिया था। उस समय लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में छात्र आंदोलन चरम पर था। 25 जून, 1975 दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली होनी थी। उस रैली को असफल बनाने के लिए सरकार ने उस रविवार टीवी पर एक बहुचर्चित फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा भी की लेकिन रैली अभूतपूर्व रही जो जबरदस्त जनाक्रोश का प्रकटीकरण था। विपक्ष एकजुट हो इंदिराजी से त्यागपत्र की मांग कर रहा था लेकिन सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष और अन्य चाटुकार 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' का नारा बुलंद कर रहे

थे। इसीलिए न जाने किस लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर इंदिराजी ने 25 जून, 1975 की आधी रात को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बिना देश में आपातकाल घोषित करा दिया। हर नियम, मर्यादा को ताक पर रखकर विपक्ष के सभी बड़े नेता जेलों में डाल दिये गये। आज जो लोग दिनभर मीडिया से सोशल मीडिया तक सरकार और उसके नेता के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तथा अघोषित आपातकाल का राग अलापते हैं, उनका लोकतंत्र की कथित देवी द्वारा प्रेस पर लादे सेंसरशिप से आंखें मूंदना अभिनय है या अज्ञानता? तब सरकार से असहमति की बात अथवा समाचार छपने पर गिरफ्तारी होती थी। पंजाब केसरी से इंडियन एक्सप्रेस तक कई समाचार पत्रों का प्रकाशन रोकने के लिए उनके बिजली के कनेक्शन काट दिए गए। पुणे के 'साधना' और अहमदाबाद के 'भूमिपुत्र' पर मुकदमे लादे गये तो बड़ोदरा के 'भूमिपुत्र' के संपादक को गिरफ्तार कर लिया गया। कई अन्य पत्रकारों को भी मीसा और डीआईआर के तहत गिरफ्तार किया गया था। आपातकाल में प्रशासन और पुलिस के उत्पीड़न की असंख्य कहानियां है। पार्क में प्रातः व्यायाम करने वालों को संघी घोषित कर जेल भेजा गया तो देश की राजधानी में बस स्टैंड पर बससेवा के बारे में अपनी राय व्यक्त करने वाले संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान को उनके घर से उठाकर जेल भेज दिया गया। जिस क्षेत्र में माननीया का पोस्टर हवा से ही हट जाता था, उस क्षेत्र के अधिकारी सांसत में आ जाते थे। लोकतंत्र के उस प्रहसन में अव्यस्क किशोर तक जेल की चारदिवारी की शोभा बढ़ाते नजर आये। गिरफ्तारी और उन्हें कहां रखा गया है, इसकी सूचना उनके रिश्तेदारों, मित्रों और सहयोगियों को नहीं दी जाती थी। जयपुर की महारानी गायत्री देवी और ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया को असामाजिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ महिलाओं के साथ तो कुछ को पागलों के बीच रखा। राजनैतिक महिला बंदियों के साथ दुर्व्यवहार और गंदे मजाक किये जाते थे। बंदियों को तंग करने, उनको कोठरी में अकेले रखने, इलाज न कराने आदि के हजारों मामले बाद में शाह आयोग के सामने आये। आपातकाल के उस काले दौर में केवल राजनीतिक असहमति के कारण मीसा के अंतर्गत जेल में बंदी बनाया गया। जयप्रकाश जी के आंदोलन की उपज मीसा बंदी एक बहुचर्चित नेता ने अपनी प्रथम पुत्री का नाम ही मीसा रख दिया था। आश्चर्य यह कि आज मीसा और उनके पिता ही नहीं, बंधु भी आपातकाल के खलनायकों के वंशजों से गलगहिया कर रहे हैं। आपातकाल के उस दौर में जो कार्यकर्ता प्रचार सामग्री तैयार करते, बांटते अथवा अकारण बंदी बनाए निर्दोष कार्यकर्ताओं के परिवारों से सम्पर्क करते उनपर पुलिस अत्याचार साधारण बात थी। उनसे सत्याग्रहियों और भूमिगत कार्यकर्ताओं के ठिकानें और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए उन्हें अमानवीय यातनाएं दी जाती थी।

जनपद बलरामपुर में पंचायत भवनों में साकार हुआ डिजिटल गवर्नेंस का मॉडल

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में आज एक बेहद प्रभावी और युगांतरकारी बदलाव ने आकार ले लिया है। पारंपरिक रूप से केवल स्थानीय विवादों को सुलझाने या बुनियादी बैठकों तक सीमित रहने वाले पंचायत भवन अब डिजिटल युग के आधुनिक और जीवंत सेवा केंद्रों में तब्दील हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्रामीण प्रशासनिक ढांचे को पूरी तरह से पेपरलेस, पारदर्शी और डिजिटल बनाने का जो ऐतिहासिक बीड़ा उठाया है, वह अब धरातल पर पूरी ताकत के साथ दिखाई देने लगा है। इस दूरदर्शी नीति ने न केवल आम ग्रामीणों के जीवन को अत्यंत सुगम और आसान बनाया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा स्थानीय शासन प्रणाली को भी एक नई और प्रगतिशील दिशा दी है।शासन की इसी लोक-कल्याणकारी मंशा के अनुरूप जनपद बलरामपुर में ग्रामीणों को ग्राम स्तर पर ही पारदर्शी, सुगम एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। जनपद में जमीनी स्तर पर डिजिटल सेवाओं को सशक्त और सुदृढ़ बनाने की दिशा में शासन और प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की जा रही है। आज बलरामपुर के पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए बहुउद्देशीय डिजिटल सेवा केंद्र (मिनी सचिवालय) के रूप में विकसित हो चुके हैं। इन केंद्रों की उपयोगिता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक जनपद में 58 हजार से अधिक डिजिटल सेवाओं का सीधा लाभ आमजन को उनके घर के समीप ही प्रदान किया जा चुका है, जो ग्रामीण विकास के इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान है। इस वृहद् प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव का सबसे मजबूत स्तंभ राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में सुसज्जित श्पंचायत सचिवालयोंश् की स्थापना और वहां योग्य श्पंचायत सहायकोंश् की तैनाती करना रहा है। पूर्व की व्यवस्थाओं के विपरीत, अब ग्रामीणों को अपनी छोटी-छोटी और अनिवार्य सरकारी आवश्यकताओं, जैसे आय, जाति या निवास प्रमाण पत्र इत्यादि के लिए तहसील अथवा जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है। राज्य सरकार द्वारा इन पंचायत भवनों में हाई-स्पीड इंटरनेट, आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम और प्रिंटर जैसी सभी आवश्यक बुनियादी डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं के दम पर ये भवन अब सीधे राज्य और केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण पोर्टलों से जुड़ चुके हैं। इसके फलस्वरूप ग्रामीणों को समय पर सेवाएं मिल रही हैं और उन्हें अनावश्यक रूप से शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा है। पंचायत भवनों पर नियुक्त पंचायत सहायकों द्वारा स्थानीय स्तर पर ही सभी जरूरी दस्तावेज सहज रूप से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण जनता के समय और धन दोनों की व्यापक बचत हो रही है। प्रशासन द्वारा डिजिटल सुविधाओं के दायरे को और अधिक व्यापक व सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में जनपद के 50 चुनिंदा पंचायत भवनों पर आधार कार्ड बनवाने तथा उनमें आवश्यक संशोधन करने की महत्वपूर्ण सुविधा भी सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दी गई है। इस विशिष्ट कार्य के लिए पंचायत सहायकों को अत्याधुनिक और आवश्यक बायोमेट्रिक डिवाइसेज उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे आधार से जुड़े सभी कार्य अत्यंत तेजी, सुगमता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हो रहे हैं। तकनीकी रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पूरी तरह सक्षम बनाने के लिए इन पंचायत भवनों को हाई-स्पीड इंटरनेट और भारतनेट परियोजना के जरिए ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है।

जरा हटके

शहरी क्षेत्रों में सीवर...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश में अमृत योजना-2.0 से बदल रही है, नगरों की तस्वीर

भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती आबादी, विस्तारित शहर और आधुनिक जीवनशैली के साथ नगरों में मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता भी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवर व्यवस्था, साफ-सफाई, जल संरक्षण और हरित वातावरण आज प्रत्येक नागरिक की प्रमुख आवश्यकता बन चुके हैं। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा अटल मिशन फॉर रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन योजना की शुरुआत की गई।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह योजना नगर विकास की नई क्रांति के रूप में सामने आई है। मा0 मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शी सोच, मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विकासोन्मुख नीतियों के कारण प्रदेश के शहर तेजी से आधुनिक और सुव्यवस्थित बन रहे हैं। अमृत 2.0 योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और नागरिकों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हो रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2015 में अमृत योजना की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य देश के शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं का विकास करना था। पहले चरण की सफलता के बाद वर्ष 2021 में अमृत 2.0 को अधिक व्यापक और आधुनिक स्वरूप में लागू किया गया। अमृत 2.0 केवल निर्माण कार्यों तक सीमित योजना नहीं है, बल्कि यह "स्मार्ट, स्वच्छ और आत्मनिर्भर शहर" बनाने का अभियान है। इसके अंतर्गत जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, हरित क्षेत्र, जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर एक साथ कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में इस योजना को विशेष प्राथमिकता देते हुए नगर विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नगरों की सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को सीधे लाभ मिल सके। अमृत 2.0 का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।प्रदेश के विभिन्न नगरों में नई पाइपलाइनें बिछाई जा रही हैं, पुरानी जलापूर्ति व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाया जा रहा है और नए जल शोधन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इससे लाखों लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। राजधानी लखनऊ ,कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज सहित प्रदेश के अनेक शहरों में जलापूर्ति से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। इन परियोजनाओं से नागरिकों को नियमित और बेहतर जलापूर्ति सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के अन्तर्गतज 169 जलापूर्ति परियोजनाएं पूर्ण करते हुए 46 लाख से अधिक घरों में नल के कनेक्शन संयोजित किये गये हैं।

शहरी क्षेत्रों में सीवर और जल निकासी की समस्याएं लंबे समय से बड़ी चुनौती बनी रही। बरसात के दौरान जलभराव, गंदगी और दूषित पानी की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती थी। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।प्रदेश के विभिन्न नगरों में सीवर नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। नई ड्रेनेज लाइनें बनाई जा रही हैं तथा पुराने सिस्टम को आधुनिक तकनीक से मजबूत किया जा रहा है। इससे जलभराव की समस्या में कमी आ रही है और शहर अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में नगरों में जल निकासी की व्यवस्था को मजबूत किया गया है ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रदेश के विभिन्न नगरों में सीवरेज/सेप्टेज की 159 से अधिक परियोजनाओं को पूर्ण करते हुए 8.77 लाख से अधिक सीवरेज कनेक्शन देते हुए 3500 किलोमीटर से अधिक की सीवरेज लाइनों का निर्माण करते हुए नागरिकों को सुविधा दी गई है।

अमृत 2.0 केवल विकास की योजना नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण और घटते जलस्तर को देखते हुए योजना में जल संरक्षण और हरित विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।प्रदेश के कई शहरों में तालाबों और झीलों के पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके। इसके साथ-साथ पार्कों, हरित क्षेत्रों और खुले स्थानों का विकास किया जा रहा है जिससे शहरों का वातावरण स्वच्छ और सुंदर बन सके। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी पर्यावरण संरक्षण को विकास का अनिवार्य हिस्सा मानते है। यही कारण है कि नगर विकास योजनाओं में हरित क्षेत्रों के विस्तार और स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न नगरों में 423 एकड़ से अधिक हरित क्षेत्र विकसित किये गये हैं। अमृत 2.0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश के शहरों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। पहले जहां कई नगरों में गंदगी, खराब सड़कें, टूटी पाइपलाइनें और जलभराव जैसी समस्याएं आम थीं, वहीं अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त व्यवस्थित नगरों का निर्माण हो रहा है।नगर विकास विभाग द्वारा शहरों में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। सड़कें, जलापूर्ति, सीवरेज और पार्क जैसी सुविधाओं में तेजी से सुधार हुआ है।

इससे नागरिकों का जीवन अधिक सुविधाजनक बन रहा है।

यूट्यूब लाइव संवाद, एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने दिया 'शिक्षक सर्वोपरि' का मंत्र

'शिक्षक की निष्ठा से सफल होगा निपुण भारत मिशन'

संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

'कक्षा-कक्ष ही परिवर्तन की प्रयोगशाला, शिक्षक की निष्ठा से ही सफल होगा निपुण भारत मिशन'

5 लाख की कैशलेस चिकित्सा, मानदेय वृद्धि और 21 हजार नई भर्तियों की घोषणा से शिक्षकों में उत्साह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करते हुए अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को यूट्यूब लाइव सेशन के माध्यम से प्रदेश के लाखों शिक्षकों से सीधा संवाद किया। इस संवाद में परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षा विभाग से जुड़े हजारों कार्मिक शामिल हुए। अपने संबोधन की शुरुआत में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का सबसे बड़ा आधार शिक्षक हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल भवन, फर्नीचर या स्मार्ट क्लास बनाना नहीं है। असली लक्ष्य हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। इसके लिए विद्यालयों में सीखने का सकारात्मक वातावरण बनाना और प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता को पहचानकर उसे विकसित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की पूरी व्यवस्था का केंद्रबिंदु कक्षा-कक्ष है। यहीं पर बच्चे का ज्ञान, व्यक्तित्व, सामाजिक व्यवहार और भविष्य आकार लेता है।

तीन से छह वर्ष की आयु को बच्चों के मस्तिष्क विकास का 'गोल्डन पीरियड'

अपर मुख्य सचिव ने तीन से छह वर्ष की आयु को बच्चों के मस्तिष्क विकास का 'गोल्डन पीरियड' बताया। उन्होंने कहा कि यदि इस आयु में बच्चों को उचित पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और सकारात्मक वातावरण मिले तो आगे चलकर उनकी सीखने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने 'ग्राम स्तरीय टीम' का मॉडल प्रस्तुत करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहू, एएनएम, शिक्षक और ग्राम प्रधान यदि एक टीम के रूप में काम करें तो विद्यालयों की स्थिति और बच्चों का शैक्षिक स्तर दोनों में क्रांतिकारी सुधार आएगा। यह समन्वय ग्रामीण शिक्षा के लिए गेमचेंजर साबित होगा।

शासन स्तर पर कितनी भी योजनाएं बना ली जाएं, कितनी भी निगरानी कर ली जाए, लेकिन जमीनी परिवर्तन केवल शिक्षक के माध्यम से ही संभव है। इसलिए शिक्षा सुधार में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। शिक्षकों के हितों पर विस्तार से बोलते हुए अपर मुख्य सचिव ने कई बड़ी घोषणाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षकों एवं उनके परिवारों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा शुरू की गई है।

शिक्षक अपने विद्यालय और अपने बच्चों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें

शिक्षकों को उनके दायित्व का बोध कराते हुए अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हर शिक्षक को यह याद रखना चाहिए कि उसने शिक्षा का क्षेत्र केवल नौकरी के लिए नहीं चुना है। यह समाज और राष्ट्र निर्माण का पवित्र मिशन है। उन्होंने आह्वान किया कि शिक्षक अपने विद्यालय और अपने बच्चों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक पूरी ईमानदारी और लगन से कक्षा में पढ़ाएगा, तभी निपुण भारत मिशन का 2026-27 तक हर बच्चे को निपुण बनाने का लक्ष्य हासिल होगा। शिक्षा की सभी योजनाओं की सफलता का आधार शिक्षक की कक्षा में मौजूदगी और उसकी प्रतिबद्धता है।

बिजली चोरी अभियान में 10 पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

कटिया डालकर चला रहे थे एसी-कूलर, 30 किलोवाट लोड पकड़ा गया

लखनऊ। लखनऊ में बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान जारी है। लेसा और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने अमीनाबाद, न्यू फरीदीपुर, जानकीपुरम, कमता, गोविंद विहार और राधापुरम सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग किया। इस दौरान लोग धड़ल्ले से कटिया लगाकर एसी-कूलर चलाते पाये गए।

चेकिंग टीम के पहुंचते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में लोग कटिया हटाने लगे, लेकिन बिजलीकर्मियों ने खंभे से सभी अवैध कनेक्शन काट दिए। जांच में करीब 30 किलोवाट लोड बिजली चोरी पकड़ी गई। विभाग ने 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

अमौसी जोन के न्यू फरीदीपुर में 62 कनेक्शनों की जांच की गई। यहां मीटर बाईपास कर चोरी कर रहे जावेद (5.99 किलोवाट), बाबूलाल (2.49 किलोवाट), किरन अवस्थी (3.00 किलोवाट) और राकेश निषाद (2.21 किलोवाट) के खिलाफ धारा-135 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जानकीपुरम जोन के गोडियन का पुरवा मोहल्ले में 52 परिसरों की जांच में 3 उपभोक्ता सीधे केबल जोड़कर कुल 12.85 किलोवाट की चोरी करते मिले। इनमें मंजू सिंह, वीरेंद्र कुमार और हरिराम के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई।

फास्ट न्यूज

27 करोड़ के ऋषभ पंत ने छोड़ी एलएसजी

लखनऊ। IPL इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स (DC) में वापसी हो गई है, जबकि स्पिनर कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के लिए खेलेंगे। दोनों टीमों के बीच यह ट्रेड हुआ है। इस IPL के बाद पंत ने लखनऊ की कप्तानी छोड़ दी थी। लखनऊ ने IPL 2025 के ऑक्शन में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था, जो IPL इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। अब ट्रेड के बाद वे 15 करोड़ रुपए की फीस पर दिल्ली से जुड़े हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजी प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने UG प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। 6 से 12 जुलाई तक UG प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के प्रवेश कार्यालय की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार BJMC और B.El.Ed. की परीक्षा 6 जुलाई को होगी। वहीं बी.कॉम (ऑनर्स), बी.कॉम, बीबीए, बीसीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड, बीएससी (एग्रीकल्चर), बीएससी (बायो) और बीएससी (मैथ्स) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अलग-अलग तिथियों और पालियों में आयोजित की जाएंगी।

लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा में हुआ आग का मातम

लखनऊ। लखनऊ में मोहर्रम के छठे दिन बड़ा इमामबाड़ा में आग का मातम हुआ। लगभग 30 मिनट तक लोग धधकते अंगारों पर चले। इसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद आग पर 'या हुसैन' का नारा लगाते हुए चलते नजर आए। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने मातम करने वाले दस्ते को सलामी दी। मौलाना ने कहा बड़ा इमामबाड़ा में 151 साल से आग का मातम हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान

'सेंसस टाउन रिपोर्ट' के आधार पर तय होंगे लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

यूपी में पीएम स्वनिधि योजना के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू सीडीओ करेंगे अभियान की निगरानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाई जा रही 'पीएम स्वनिधि योजना' की रफ्तार बढ़ाने जा रही है। इसके तहत पूरे प्रदेश में 1 जून से 30 जून 2026 तक एक माह का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मे ग्राम्य विकास विभाग के आयुक्त श्री जी.एस. प्रियदर्शी द्वारा राज्य के सभी संबंधित मुख्य विकास अधिकारियों को एक आधिकारिक पत्र जारी कर इस अभियान को युद्धस्तर पर सफल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने जिलों के खण्ड विकास अधिकारियों को अपने स्तर से निर्देशित करें। इसका मुख्य उद्देश्य 'सेंसस टाउन रिपोर्ट' और विभाग द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर तय लक्ष्यों को समय से पूरा करना है। योजना के दायरे में आने वाले सभी पात्र लाभार्थियों की पहचान करना, उनसे आवश्यक समन्वय स्थापित करना और समयबद्ध तरीके से प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। निर्देश दिये गये हैं तय लक्ष्यों को पूरा करते हुए प्रगति रिपोर्ट से ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय को भी लगातार अवगत कराया जाए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई न हो।

एक ही सीढ़ी से आने-जाने का रास्ता, आवासीय बिल्डिंग को कॉमर्शियल बनाया था

कोचिंग में ऑटोमैटिक गेट ने ली 15 जानें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कोचिंग अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट थे। ये लोग गेमिंग और एनिमेशन सीखने आते थे। जिस वक्त हादसा हुआ, सभी स्टूडेंट लंच के बाद क्लास में थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था।

वहीं, कोचिंग सेंटर में मुख्य गेट भी ऑटोमैटिक था। यह थंब इम्प्रेशन से खुलता और बंद होता था। एक स्टूडेंट ने बताया कि आग लगने की वजह थंब इंप्रेशन वाला गेट लॉक हो गया। इसके चलते ज्यादातर बच्चे अंदर ही फंस गए। इमरजेंसी एग्जिट का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। जबकि, आग लगने के कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत धुएं से भर गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में लगे स्प्लिट एसी का कंप्रेसर फटने से धमाका हुआ।

दो तस्वीरें- ऊपर बिल्डिंग में आग लगने के पहले की और नीचे आग लगने के बाद की है।

हादसे के वक्त करीब 30 स्टूडेंट और स्टाफ अंदर था। 8-10 स्टूडेंट इंटरनेट-डीटीएच का तार और पाइप पकड़कर बाहर निकल आए, जबकि 3-4 स्टूडेंट दूसरी मंजिल से नीचे कूद गए। अभी भी 5-6 घायल स्टूडेंट केजीएमयू में एडमिट हैं।

आग में झुलसे युवक को लोग उठाकर गाड़ी तक ले गए, फिर उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

बायोमेट्रिक सिस्टम आग की वजह से लॉक हो गया

हादसे में घायल एक छात्र के दोस्त यश ने बताया- ऊपर आने-जाने के लिए केवल एक ही एंट्री-एग्जिट पॉइंट था। वहां बायोमेट्रिक सिस्टम लगा था। आग लगने के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। इसकी वजह से अंदर मौजूद बच्चे समय रहते गेट नहीं खोल पाए।

जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में आने-जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता था। निकलने की सीढ़ी भी एक ही थी। इमरजेंसी में बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। इतना ही नहीं, छत पर जाने वाले रास्ते का दरवाजा भी लॉक था। यही वजह है कि आग और धुएं के बीच अफरा-तफरी में कई बच्चे समय रहते बाहर नहीं निकल पाए।

रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक की है बिल्डिंग

जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर बनी है। वीरेंद्र शुक्ला रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक हैं। यह कॉलेज रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (RITM) के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 2008 में हुई थी। कॉलेज डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU) से संबद्ध है और इसे AICTE की मान्यता भी मिली हुई है। जांच में सामने आया है कि इमारत का नक्शा धीरेंद्र और सुरेंद्र शुक्ला के नाम पर पास हुआ था। शुरुआत में यह आवासीय भवन था, लेकिन 2014 में इसे व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई। इमारत में ऑनलाइन एनिमेशन और गेमिंग कोचिंग सेंटर चल रहा था। गर्मी की छुट्टियों के कारण यहां बड़ी संख्या में छात्रों ने दाखिला लिया था। हादसे के बाद प्रशासन ने तत्कालीन अधिकारियों और इंजीनियरों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। 16 लोगों की सूची तैयार की गई है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभी डीएम को सर्वे और कार्रवाई के निर्देश, पंजीकृत संस्थानों का भी होगा सुरक्षा ऑडिट

छात्रों की सुरक्षा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : योगेंद्र उपाध्याय

तमसा संकेत, संवाददाता

अवैध कोचिंग संस्थानों पर चलेगा विशेष अभियान, योगी सरकार की सख्ती

पंजीकृत संस्थानों का भी सुरक्षा मानकों के अनुरूप निरीक्षण कराया जाएगा। इसमें भवन व्यवस्था, अग्निशमन, विद्युत सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच शामिल होगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेशभर में संचालित कोचिंग संस्थानों के विनियमन को प्रभावी बनाने तथा अवैध रूप से चल रहे कोचिंग सेंटरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जनपदों में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वेक्षण कर सूची तैयार करें। जो संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। विद्यार्थियों और अभिभावकों के हित सर्वोपरि हैं। सभी संबंधित विभागों के समन्वय से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रदेश में संचालित प्रत्येक कोचिंग संस्थान निर्धारित मानकों का पालन करे। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और विश्वसनीय शैक्षिक वातावरण तैयार किया जा रहा है। शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित शिक्षण वातावरण मिले और कोचिंग संस्थानों में निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो। इस संबंध में विशेष सचिव उच्च शिक्षा निधि श्रीवास्तव द्वारा पत्र भी जारी किया गया है।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषयक विधिक जागरूकता शिविर

तमसा संकत, संवाददाता

शिविर का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक अनीता विश्वकर्मा एवं कुसुम कश्यप द्वारा किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय श्री मलखान सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के मार्गदर्शन एवं श्री कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इन्दौराबाग, तहसील बख्शी का तालाब लखनऊ में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (पीओएसएच अधिनियम, 2013) की रोकथाम, महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वच्छता तथा सैनिटरी नैपकिन से संबंधित कानूनी अधिकारों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक अनीता विश्वकर्मा एवं कुसुम कश्यप द्वारा किया गया। शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रमुख प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की भूमिका, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा महिलाओं को प्राप्त कानूनी संरक्षण एवं अधिकारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिला स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता एवं सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित एवं नियमित उपयोग के महत्व पर भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर अनीता विश्वकर्मा, पराविधिक स्वयं सेवक ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भेदभाव-मुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराना प्रत्येक संस्था का दायित्व है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगी तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के कानून द्वारा प्रदत्त उपायों का उपयोग कर सकेंगी।

इलाज : केजीएमयू में एसआईटी की पड़ताल, घायलों के बयान और मेडिकल रिकॉर्ड खंगाले

अलीगंज अग्निकांड : घायल लवप्रीत को मिली छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड की जांच के लिए गठित स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (SIT) की टीम मंगलवार को KGMU ट्रॉमा सेंटर पहुंची। टीम ने करीब एक घंटे तक ट्रॉमा सेंटर में रहकर अधिकारियों और डॉक्टरों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। इस दौरान ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर हादसे के बाद घायलों के पहुंचने और इलाज की प्रक्रिया को समझा गया। घायलों और डॉक्टरों से अहम सुराग जुटाए।

वहीं, ट्रॉमा में भर्ती लवप्रीत कौर को मंगलवार दोपहर बाद डिस्चार्ज कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी कंडीशन में सुधार था, दिल्ली से परिजन भी आ गए थे। ऐसे में जब उनकी तरफ से छुट्टी की बात की गई तो मरीज को घर जाने की इजाजत दे दी गई। जांच टीम ने सोमवार रात इलाज के बाद डिस्चार्ज होकर घर जा चुके युवक-युवतियों को भी बुलाया। उनसे हादसे के पहले और बाद की पूरी स्थिति के बारे में सिलसिलेवार जानकारी ली गई। टीम यह जानने का प्रयास कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने क्या देखा। SIT अब ट्रॉमा सेंटर से जुटाए गए मेडिकल रिकॉर्ड, डॉक्टरों की जानकारी और घायलों के बयान के आधार पर आगे की जांच करेगी। हादसे की हर कड़ी को जोड़ने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

शव की कंडिशन के बारे में ली जानकारी

SIT ने अधिकारियों से पूछा कि घटना के बाद मरीज किस हालत में ट्रॉमा सेंटर लाए गए थे। घायलों के शरीर पर किस तरह की चोटें थीं। उन्हें किस स्तर की चिकित्सकीय जरूरत थी। इसके साथ ही हादसे में मृत लोगों के शव किस स्थिति में ट्रॉमा सेंटर लाए गए थे? इसकी भी जानकारी ली गई। टीम ने शवों पर चोट, जलने या अन्य किसी तरह के निशान से जुड़े तथ्यों को भी जांच के दायरे में रखा।

घटना को लेकर जुटाई जानकारी

अधिकारियों ने SIT को बताया कि हादसे के बाद ट्रॉमा सेंटर में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। घटना में घायल दो लोग ट्रॉमा सेंटर में भर्ती थे। टीम ने इनमें से एक घायल लवप्रीत से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। इसके बाद एसआईटी तीसरे तल पर पहुंची, जहां आईसीयू में भर्ती युवक का हाल जाना और उससे भी घटना से जुड़े बिंदुओं पर पूछताछ की। अग्निकांड की जानकारी कब हुई? बचाव के लिए क्या-क्या कदम उठाए। घटना के वक्त सेंटर में कितने लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में थार से पुजारी को टक्कर मारी

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में सड़क हादसे के बाद मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। विराम खंड-2 स्थित सिद्ध कामेश्वर मंदिर के प्रधान पुजारी घृष्ट घुग्न मिश्रा ने आरोप लगाया कि उनके सहयोगी देवकुमार दुबे को एक थार चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। फिर घायल को इंदिरानगर सेक्टर-19 के जंगल क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए, जिससे समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र तिवारी ने बताया विराम खंड-1 स्थित देवा पैलेस के पास थार (UP51BP7011) को बैक करते समय चालक की लापरवाही से देवकुमार दुबे को टक्कर लग गई थी। हादसे के बाद चालक और उसके साथियों ने घायल को अस्पताल ले जाने की बात कही और पुजारी के बेटे अनूप को भी गाड़ी में बैठने के लिए कहा, लेकिन जैसे ही वह पीछे बैठने लगा, आरोपी तेज रफ्तार में गाड़ी लेकर फरार हो गए।

इरम कॉलेज में लगी आग शॉर्ट सर्किट की आशंका

ऑफिस के फर्नीचर और फाइलें जलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित शेखपुर हबीबपुर में मंगलवार दोपहर इरम कॉलेज में आग लगी। आग कॉलेज के ऑफिस में आग लगी थी। चौक फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

एफएसओ चौक ने बताया दोपहर करीब 3:50 बजे कंट्रोल रूम को इरम कॉलेज के कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद चौक फायर स्टेशन से दो मिनी फायर टेंडर (एमएफई) के साथ टीम मौके के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंचने पर पता चला कि कॉलेज के ऑफिस में रखे फर्नीचर, फाइलें और आलमारी आग की चपेट में आ गए थे। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फायरकर्मियों ने पंपिंग कर कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

दोस्त को शराब पिलाकर ईंट से कूच डाला

वारदात

आर्मी ग्राउंड में खून से सनी लाश मिली, घरवाले बोले- तालिब का एनकाउंटर हो

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में दोस्त ने शराब पिलाकर युवक की हत्या कर दी। सोमवार सुबह आर्मी ग्राउंड में खून से लथपथ युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि विपिन की हत्या उसके दोस्त तालिब ने पुरानी रंजिश के चलते की। दोनों ने रविवार रात साथ बैठकर शराब पी, जिसके बाद तालिब ने ईंट से कूच कर विपिन को मार डाला। तालिब विपिन के शव के पास ही उसकी बाइक छोड़कर भाग गया। विपिन के परिवार वालों के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे। सभी तालिब के घर बुलडोजर एक्शन और उसके एनकाउंटर की मांग करने लगे। पुलिस अफसरों ने किसी तरह समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। घटना कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी तालिब को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि विपिन से 20 दिन पहले किसी बात पर झगड़ा हुआ था। इसी के चलते उसने प्लानिंग के तहत विपिन को बुलाया। उसे खूब शराब पिलाई। जब विपिन ज्यादा नशे में हो गया तो उसे आसानी से ईंट से वार कर मार डाला। विपिन की हत्या की बात सामने आते ही सचिन समेत तमाम हिंदू संगठनों से जुड़े नेता विपिन के घर पहुंचे।

विपिन, मृतक

परिवार वाले बोले- एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी मिले

घरवालों ने कहा कि परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी और मुआवजा दिया जाए। जैसे हमारे बच्चे की लाश आई है, वैसे आरोपी तालिब की भी लाश उसके घर भेजी जाए। जैसे हमारे बच्चे को मारा, उसे भी मारा जाए।

एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया- कंकरखेड़ा थाना के आर्मी ग्राउंड में एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना पुलिस सहित मैं स्वयं मौके पर पहुंचा। शव की पहचान विपिन के रूप में हुई जो वहीं पास में ही रहता है।

रविवार रात 8 बजे से गायब था विपिन

सोमवार सुबह कंकरखेड़ा के आर्मी ग्राउंड में एक अज्ञात शव पड़ा मिला था। शव के ऊपर बाइक पड़ी हुई थी। आते-जाते लोगों ने लाश देखी तो 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। थाना पुलिस सहित एसपी सिटी भी मौके पर पहुंचे। शव की पहचान न्यू गोविंदपुरी निवासी विपिन के रूप में हुई। पुलिस की सूचना पर पहुंचे विपिन के घरवालों ने बताया कि विपिन मजदूरी करता था। वह रविवार रात 8 बजे से गायब था। उसका फोन बंद था। हम लगातार उसे कॉल कर रहे थे, लेकिन बात नहीं हो पा रही थी। रातभर वो घर नहीं आया। विपिन की हत्या की गई है, क्योंकि उसकी लाश खून से लथपथ है।

आर्मी ग्राउंड में विपिन की लाश के ऊपर उसकी बाइक पड़ी मिली।

सीसीटीवी में दिखा तालिब

पुलिस ने आर्मी ग्राउंड के आसपास के सीसीटीवी खंगालने शुरु किए। इसमें एक फुटेज में विपिन एक युवक के साथ जाता दिखा। घरवालों से पूछने पर पता चला कि ये युवक विपिन का दोस्त तालिब है।जो वेल्डिंग का काम करता है।

घरवालों ने पुलिस को बताया कि रविवार रात विपिन-तालिब के ही साथ गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों ने मिलकर रात में शराब पार्टी की थी। इसके बाद तालिब ने ईंट मारकर विपिन की हत्या कर दी और उसकी लाश छोड़कर भाग गया।

बरेली में कैनविज कंपनी का सीईओ भगोड़ा घोषित

25 हजार का इनाम तय, 800 करोड़ की ठगी का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में निवेशकों का पैसा दोगुना करने और प्लॉट दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये जुटाने के आरोपों में घिरे कैनविज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीईओ की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बरेली पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित करते हुए गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस की टीमें पिछले करीब एक वर्ष से उसकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। कन्हैया लाल गुलाटी पर आरोप है कि उसने निवेश योजनाओं और प्लॉट उपलब्ध कराने के नाम पर देशभर के लोगों से बड़ी रकम जुटाई। निवेशकों को आकर्षक रिटर्न और धनराशि दोगुनी होने का भरोसा दिया गया, लेकिन बाद में कंपनी और उसका प्रबंधन निवेशकों की पहुंच से बाहर हो गया। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि करीब दो लाख लोगों से 800 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि एकत्र कर हड़प ली गई। हजारों निवेशक वर्षों से अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए पुलिस और अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। पुलिस के अनुसार कन्हैया लाल गुलाटी के खिलाफ केवल बरेली में ही 60 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा उत्तराखंड, झारखंड समेत अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी और निवेशकों का पैसा हड़पने के आरोप में कई मामले दर्ज किए गए हैं।

फास्ट न्यूज

गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी का किचन बंद होगा

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी के सेंट्रल पार्क में संचालित रसोई पर अब कार्रवाई की तलवार लटक गई है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सोसायटी प्रबंधन को आवश्यक अनुमति और लाइसेंस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि यदि वैध अनुमति उपलब्ध नहीं है तो रसोई का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।

हरदोई के कोचिंग सेंटरों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी

हरदोई। लखनऊ में हुई हालिया घटना के बाद हरदोई का अग्निशमन विभाग सक्रिय हो गया है। मंगलवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी शिवराम सिंह यादव और एसआई सुशील कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने शहर के प्रमुख चौराहों पर स्थित कोचिंग संस्थानों और कंप्यूटर सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी सामने आई। निरीक्षण के दौरान, जिंदपीर चौराहे पर स्थित विशाल कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में सुरक्षा व्यवस्था शून्य पाई गई।

कुलपति के आदेश के बावजूद खत्म नहीं हुई अटैचमेंट व्यवस्था

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज में शिक्षकों की अटैचमेंट व्यवस्था को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्रवाई अधूरी मानी जा रही है। अब तक केवल चार शिक्षकों को उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजा गया है, जबकि एक दर्जन से अधिक शिक्षक अभी भी विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय से संबद्ध हैं।

15 वर्षों की सेवाओं के बाद मंडलीय अध्यक्ष पद से डॉ. अखिलेश यादव का त्यागपत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल के मंडलीय अध्यक्ष डॉ. अखिलेश यादव, प्रधानाचार्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दघेंटा, बलदेव (मथुरा) ने पदोन्नति के उपरांत नैतिक आधार पर अपने संघीय पद से त्यागपत्र दे दिया है।

डॉ. अखिलेश यादव ने लगभग 15 वर्षों तक मंडलीय अध्यक्ष के रूप में संगठन की सेवा करने के बाद अपना त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार भड़ाना एवं प्रदेश महामंत्री रवि भूषण को प्रेषित किया। उन्होंने त्यागपत्र के माध्यम से संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन हमसे नहीं, हम संगठन से हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के हितों के लिए समर्पण तथा शोषण के विरुद्ध संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा। त्यागपत्र भेजने से पूर्व उन्होंने मंडलीय मंत्री चंद्रवीर सिंह को भी अपने निर्णय से अवगत कराया।

गौरतलब है कि 23 जून 2026 को मथुरा में राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश का प्रांतीय चिंतन शिविर आयोजित होने जा रहा है। शिविर में प्रदेश के सभी जिलों से जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल मंत्री भाग लेकर संगठन के विभिन्न विषयों पर चिंतन और मंथन करेंगे।

डॉ. अखिलेश यादव का यह निर्णय संगठनात्मक नैतिकता एवं आदर्श नेतृत्व का उदाहरण माना जा रहा है, जिसकी शिक्षक समाज में व्यापक चर्चा हो रही है।

लिखा- नहीं हो सकता भैया, महराजगंज में आंसर की आने के बाद परेशान थी, भाई जैसा डॉक्टर बनना चाहती थी

नीट छात्रा फंदे से लटकी

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज। महराजगंज में नीट एग्जाम देकर लौटी छात्रा ने फंदे से लटककर जान दे दी। वह घटना के समय घर पर अकेली थी। छात्रा के शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा था- मेरे से कुछ नहीं हो सकता मेरे भैया जी। घर वाले छात्रा को लेकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस को डॉक्टर भाई ने बताया- हम लोगों ने एग्जाम को लेकर बहन पर कभी दबाव नहीं बनाया। बल्कि, उसे भरोसा दिलाया था कि सरकारी सीट मिले या नहीं, डॉक्टर बनने का उसका सपना हर हाल में पूरा कराएंगे। घटना सोमवार दोपहर सदर कोतवाली क्षेत्र के चौपरिया कंचनपुर गांव की है।

अस्पताल में छात्रा के शव से लिपटकर भाई बिलख कर रोता रहा।

सदर कोतवाली क्षेत्र के चौपरिया कंचनपुर गांव में NEET छात्रा ने फंदे से लटक कर जान दे दी। छात्रा के भाई अभिनव भारती 2021 बैच के MBBS डॉक्टर हैं। बहन भी उन्हीं के नक्शे कदम पर चलकर डॉक्टर बनना चाहती थी। इसी सपने को सच करने के लिए वह नीट की तैयारी कर रही थी।

अभिनव भारती ने बताया कि, बहन ने 3 मई को NEET परीक्षा दी थी। उसका पेपर बहुत अच्छा नहीं हुआ था। हम लोग उसे लगातार समझा रहे थे कि अगर सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं मिला तो BAMS, प्राइवेट मेडिकल कॉलेज या अन्य विकल्पों के जरिए उसकी पढ़ाई पूरी कराएंगे।

पेपर लीक विवाद और परीक्षा दोबारा होने की चर्चाओं की वजह से बहन बीते एक महीने से परेशान थी। वह ठीक से पढ़ाई भी नहीं कर पा रही थी। परिवार वाले लगातार उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे।

भाई बोला- सिर्फ 15 मिनट के लिए बाहर गया था

रविवार को परीक्षा से जुड़ी आंसर की से उत्तरों का मिलान करते समय वह परेशान हो गई। उसे लगने लगा कि वह सफल नहीं हो पाएगी। इसी मानसिक दबाव में उसने जान दे दी। भाई ने बताया कि घटना के समय घर पर कोई नहीं था। वह खुद घर पर मौजूद थे, लेकिन करीब 15 मिनट के लिए बाहर चले गए थे। पिता अमरजीत किसान हैं। बेटी की पढ़ाई और तैयारी में परिवार ने पूरा सहयोग दिया था। दो भाइयों में छात्रा इकलौती बहन थी। उसके बड़े भाई अभिनव भारती ने 2021 में नीट (NEET) परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। वह इस समय देवरिया मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप कर रहे हैं।

चंचल NEET परीक्षा देने के बाद से परेशान रहने लगी थी।

> **सदर एसएचओ निर्भय सिंह ने बताया-छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस हर एंगल से केस की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।**

विद्युत कर्मी संघर्ष समिति ने कहा कि तथ्यहीन आधार पर की गई कार्रवाई

कोचिंग सेंटर अग्निकांड में ईई को निलंबित करना अन्यायपूर्ण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज कोचिंग सेंटर अग्निकांड की दर्दनाक घटना ने पूरे उत्तर प्रदेश को झकझोर दिया है। इस हृदयविदारक दुर्घटना पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने गहरा शोक व्यक्त किया है। समिति ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। समिति ने घटना के बाद अधिशासी अभियंता (कलेक्शन), जानकीपुरम जोन को निलंबित किए जाने को पूरी तरह अन्यायपूर्ण, तथ्यहीन और जल्दबाजी की गई कार्रवाई करार दिया। समिति ने दावा किया कि उपलब्ध दस्तावेज और तकनीकी तथ्यों के मुताबिक इस अभियंता का अग्निकांड से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। फिर भी उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि उक्त कोचिंग सेंटर को वर्ष 2016 में ही व्यवसायिक (कमर्शियल) बिजली कनेक्शन दिया गया था। उस समय 20 किलोवाट तक की भार वृद्धि भी स्वीकृत की गई थी। अप्रैल, मई और जून 2026 में विद्युत मांग 20 किलोवाट से अधिक दर्ज हुई, लेकिन वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग लागू होने के बाद यह जानकारी अधिशासी अभियंता को जुलाई माह में ही प्राप्त होती। इसलिए जून में हुई घटना के लिए अभियंता को जिम्मेदार ठहराना तथ्यों के सर्वथा विपरीत है।

समिति ने निलंबन आदेश में लगाए गए आरोप को भी सरासर तथ्यहीन बताया कि स्वीकृत भार से अधिक उपयोग की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई।

बिजली विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कनेक्शन तक सीमित

समिति ने बताया कि विद्युत वितरण निगम की जिम्मेदारी उपभोक्ता को कनेक्शन देने और दस्तावेज जांचने तक सीमित है। नया कनेक्शन जारी करने से पहले भवन स्वामित्व के कागजात, बी एंड एल प्रमाणपत्र (Bond & Load/Work Completion Certificate) आदि जरूरी दस्तावेज लिए जाते हैं। बी एंड एल प्रमाणपत्र लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदार जारी करता है, जिसमें आंतरिक वायरिंग, अर्थिंग और सुरक्षा मानकों की पुष्टि की जाती है। भवन के अंदर की पूरी विद्युत व्यवस्था, रखरखाव और सुरक्षा की जिम्मेदारी भवन स्वामी तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की होती है।

प्रारंभिक तथ्यों के अनुसार अग्निकांड शॉर्ट सर्किट या भवन की आंतरिक बिजली लाइन में तकनीकी खामी के कारण हुआ लगता है। कोचिंग सेंटर जैसे सार्वजनिक भवनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास, सुरक्षा ऑडिट आदि की जिम्मेदारी भवन स्वामी और प्रशासन की है।

कानपुर में महिला सिपाही ने चूड़ी पीसकर खा ली

कानपुर में पति से विवाद हुआ था, अस्पताल में भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में तैनात एक महिला सिपाही का उसके पति से विवाद हो गया। गुस्से में महिला सिपाही ने चूड़ियां पीसकर खा लीं। हालत बिगड़ने पर साथी पुलिसकर्मी उसे तत्काल घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए।

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कानपुर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पूरा मामला घाटमपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, घाटमपुर थाने में तैनात महिला सिपाही प्रियंका चौधरी के पति संतोष मेरठ पुलिस में सिपाही हैं। सोमवार देर शाम संतोष घाटमपुर आए थे। इस दौरान किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद संतोष वापस मेरठ लौट गए। मंगलवार को महिला सिपाही प्रियंका थाने के CCTNS कक्ष में ड्यूटी पर थीं। ड्यूटी के दौरान उनकी पति से फोन पर फिर बातचीत हुई, जो विवाद में बदल गई। इसके बाद उन्होंने चूड़ियां पीसकर खा लीं।

साथी पुलिसकर्मियों ने उनकी तबीयत बिगड़ती देख तत्काल उन्हें सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घाटमपुर इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि महिला सिपाही को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

गोरखपुर में कोचिंग ...

कई कोचिंग संस्थानों ने सुबह छात्रों को क्लास संचालित होने का संदेश भेजा था, लेकिन दोपहर में दूसरा संदेश भेजकर क्लास रद्द कर दी। इसके बावजूद कई छात्र तय समय पर कोचिंग पहुंच गए, जहां ताला बंद मिलने पर उन्हें वापस लौटना पड़ा।

कमिश्नर अनिल ढींगरा, डीएम दीपक मीणा और जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल के निर्देश पर सुबह से ही जांच अभियान शुरू किया गया। जांच की सूचना फैलते ही हरिओम नगर क्षेत्र की 12 से अधिक कोचिंग संस्थाएं दोपहर तक बंद हो गईं। इस क्षेत्र में टीईटी, जेईई और नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।

अयोध्या में डीएम ...

अधिकारियों ने संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। इस दौरान तीनों अफसर आकाश कोचिंग भी पहुंचे और यहां के मानकों की जांच की।

अखिलेश बोले- अब...

अखिलेश ने कहा- होटल लेवाना में जब आग लगी थी, मुख्यमंत्री ने कहा था 24 घंटे में बुलडोजर चल जाएगा। लेकिन, क्या उस बिल्डिंग पर बुलडोजर चला? यहां गरीबों को उजाड़ने के लिए किसने आग लगा दी थी? इस सरकार में अहंकार भरा हुआ है। इन्होंने अकबरनगर के लोगों को किस तरह से बुलडोजर चलाकर हटा दिया था। अब बुलडोजर किसका इंतजार कर रहा है?

राममंदिर चढ़ावा चोरी ...

इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए।

राम मंदिर चोरी मामले में 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हो चुकी है। इसके अलावा, चंपत राय के करीबी टिन्नू के घर से सोना मिला था। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है।

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम सेना ने राम जन्मभूमि थाना पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए सेवादार अनिल मिश्रा समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और नारको टेस्ट कराए जाने की मांग की।

दिनेश सिंह ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई से ही करोड़ों राम भक्तों की आस्था मंदिर के प्रति बनी रह सकेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राम मंदिर की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

भरत तिवारी ...

भोजपुर जिले के शाहपुर थाने में भरत तिवारी उर्फ भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी के आवेदन पर सोमवार को एक नई एफआईआर दर्ज की गई। इसमें आरोप लगाया गया कि 17 जून को सुबह डीएसपी एवं थानेदार के नेतृत्व में पुलिस टीम उनके घर आई थी। पुलिस उनके बेटे भरत को लेकर जवइनिया बाढ़ विस्थापितों के लिए आवंटित जमीन की ओर ले गई। यहां के लोगों की समस्या को भरत तिवारी लगातार फेसबुक लाइव के जरिए उठा रहा था।

मां ने कहा कि वहां पहुंचने पर भरत तिवारी ने पुलिस के सामने अपना हथियार फेंककर सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे धक्का देकर गड्ढे में गिरा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां मौजूद डीएसपी ने गोली चलाने का आदेश दिया। फिर पुलिसकर्मियों ने भरत को 5 गोलियां मारकर घायल कर दिया और गाड़ी में लादकर चले गए। शाम में पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि भरत तिवारी की मौत हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भरत के पिता काशीनाथ तिवारी को भी शाहपुर पुलिस ने 2 दिन थाने में बंद रखा था। फिलहाल, शाहपुर थाना पुलिस ने मां के आवेदन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एनकाउंटर के दौरान मौजूद रहे पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर हत्या का आरोप लगा है। इस केस की जांच इंस्पेक्टर संजीव कुमार को सौंपी गई है।

थानेदार समेत 5 ...

साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने में भी उन्होंने लापरवाही बरती।

'कॉकरोच जनता पार्टी ...

शिक्षा माफियाओं को घुटने पर लाएंगे- कुछ लोग जानबूझकर शिक्षा को डिरेल करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर चाहे वो कोचिंग सेंटर वाले हों या फिर शिक्षा माफिया हों, इन पर नजर रखी जा रही है। हम इन्हें घुटने पर लाएंगे, नहीं तो हम देश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते हैं।

स्टूडेंट्स के सुसाइड पर राजनीति- सुसाइड करने वाले बच्चों की फोटो लगाकर राजनीति करना कांग्रेस का निम्न स्तर का काम है। परीक्षा से 2-3 दिन पहले सुसाइड करने वाले बच्चों की लिस्ट निकालते हैं, इससे घिनौना कम कुछ नहीं हो सकता है। राहुल गांधी या कांग्रेस की तरफ से सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए एक भी पॉजिटिव सुझाव नहीं मिला है।

65 हस्तियों को मिले ...

इन्हें भारतीय महिला हॉकी की 'द ग्रेट वॉल' के नाम से जाना जाता है। लगातार तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वे कई पीढ़ियों की महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।

जाने-माने एक्टर, फ़िल्ममेकर और स्क्रीनराइटर माधवन रंगनाथन को भारतीय सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।

अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत को कला के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड उनके भाई अरविंद ने लिया।

चार दशकों के करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर सतीश शाह ने कई फिल्मों और यादगार टीवी शो में काम किया।

इंडोलॉजी की मशहूर प्रोफेसर और भाषाविद् डॉ. ल्यूडमिला खोखलोवा को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया।

बिजनेसमैन की बेटी...

इस साल नवंबर में राजस्थान के उदयपुर स्थित एक शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी।

यह शादी दोनों के परिवारों ने तय की थी। घर में तैयारियां भी शुरू थीं। मेहमानों के लिए दो चार्टर्ड प्लेन की व्यवस्था भी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी पर परिवार करीब 17 करोड़ खर्च करने वाला था।

केतन के पिता ने कहा- मेरी सरकार से अपील है कि इस केस को फास्ट-ट्रैक किया जाए। आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए। उन्हें सबसे सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि सबको बड़ा मैसेज जाए। केतन की मां ने कह- मेरे बेट की मौत के लिए सिया और उसका बॉयफ्रेंड जिम्मेदार हैं। सिया ने मुझे धोखा दिया और झूठ बोला। मैं सिया, उसका बॉयफ्रेंड, उसके माता-पिता और बुआ-फूफा के लिए मौत की सजा की मांग करती हूं।

सेंसेक्स 893 अंक ...

सेक्टोरल सूचकांकों की बात करें, तो आज सबसे अधिक गिरावट निफ्टी मेटल में 3.22 फीसदी दर्ज हुई। वहीं, निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.23 फीसदी गिरकर बंद हुई। इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.47 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.77 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.97 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.77 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.12 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.50 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.90 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

कहा- खुशी बयां करने के लिए शब्द नहीं, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया की तीन नंबर जर्सी मिली

प्रसन्नता

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। BCCI की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे।

सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छुए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। सूर्यवंशी ने IPL 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की।

15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद

आयरलैंड के बेलफास्ट में 26 या 28 जून को होने वाले मैच से वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। अगर वे आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो वे 15 साल की उम्र में भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर बन जाएंगे। ऐसा होने पर वे सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने IPL 2025 में 23 साल 237 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

वैभव सूर्यवंशी ने ट्राई नेशनल वनडे सीरीज के फाइनल में 11 बॉल पर अर्धशतक लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था। यह फोटो 21 जून को खेले गए फाइनल मैच की है।

वर्ल्ड कप गोल में मेसी से 2 गोल पीछे एमबाप्पे

6 बार 2+ गोल करने वाले पहले खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार एक मैच में दो या उससे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को इराक के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 2 गोल किए। यह छठी बार है जब एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप के किसी मैच में दो या उससे ज्यादा गोल दागे हैं।

इन दो गोलों के साथ वर्ल्ड कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई है। उन्होंने जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोजा के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल लियोनेल मेसी हैं, जिनके नाम 18 गोल दर्ज हैं। यानी एमबाप्पे मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ 2 गोल पीछे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मंगलवार (भारतीय समयानुसार) ग्रुप-I के दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और लास्ट-32 (नॉकआउट चरण) में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, दूसरे मुकाबले में नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हरा दिया।

ग्रुप-I के मुकाबले में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। फिलाडेल्फिया में आंधी-तूफान और बारिश के कारण मैच करीब दो घंटे देरी से शुरू हुआ।

मेसी के फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 18 गोल

जर्मनी के क्लोजा का रिकॉर्ड तोड़ा, अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने पहले अपना 17वां गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजा (16 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ा और फिर मैच के आखिरी में एक और गोल कर इसे 18 तक पहुंचा दिया।

मेसी ने डलास स्टेडियम में 39वें मिनट में फील्ड गोल लगाकर इतिहास रचा। इसके बाद इंजरी टाइम (95वें मिनट) में उन्होंने दूसरा गोल दागकर अर्जेंटीना की 2-0 की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-32 में भी जगह बना ली। 38 साल के मेसी ने पिछले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके सबसे ज्यादा 5 गोल हो गए हैं। मेसी के बाद 3 गोल के साथ जर्मनी के डेनिज उंडाव हैं।

39वें मिनट में अर्जेंटीना के थियागो अल्माडा ने बाईं ओर फाकुंडो मेडिना को पास दिया। मेडिना ने गेंद बॉक्स के किनारे खड़े मेसी तक पहुंचाई और कप्तान ने शानदार लेफ्ट फुटेड शॉट लगाकर गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया।

9वें मिनट में पेनल्टी चूके

मेसी के पास नौवें मिनट में ही रिकॉर्ड बनाने का मौका था। लॉटारो मार्टिनेज पर ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों के फाउल के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी शॉट को पोस्ट के बाहर मार बैठे। इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा तीन पेनल्टी मिस करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। इससे पहले घाना के असामोआ ग्यान ने दो पेनल्टी मिस की थीं।

पेनल्टी चूकने के बाद 18वें मिनट में मेसी को एक और मौका मिला, लेकिन ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों ने शॉट ब्लॉक कर दिया। ऑस्ट्रिया के गोलकीपर डेविड अलावा ने भी एक मौके पर गोललाइन के पास शानदार बचाव किया।

टीम में सूर्यांश शेडगे की एंट्री, मुश्ताक अली ट्रॉफी में रहा था 251.92 का स्ट्राइक रेट

चोट के कारण आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज से नीतीश रेड्डी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज के लिए ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और पार्ट-टाइम गेंदबाज सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। चोट के कारण नीतीश दोनों सीरीज से बाहर हो गए हैं।

टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम 1 से 19 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। सूर्यांश शेडगे हाल ही में श्रीलंका में खेली गई ट्राई-सीरीज में इंडिया-ए का हिस्सा थे। उन्होंने 5 मैचों में 147 रन बनाए। इसके अलावा गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 23 ओवर फेंके और महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते उन्हें सीनियर टीम में जगह मिली है। मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले सूर्यांश ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। मुंबई की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने लोअर-मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 251.92 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल किया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे के बाद हुई चोट

नीतीश को 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे के बाद बाईं जांघ में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद BCCI की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की। मेडिकल असेसमेंट के बाद उन्हें कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रहने और नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) में रिहैब करने की सलाह दी गई है। इसी वजह से वे आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव, सूर्यांश शेडगे।

मनोरंजन

'आवारापन 2' के बाद रूह कंपाने वाली फिल्म का किया एलान

हॉरर की दुनिया में लौट रहे हैं इमरान हाशमी

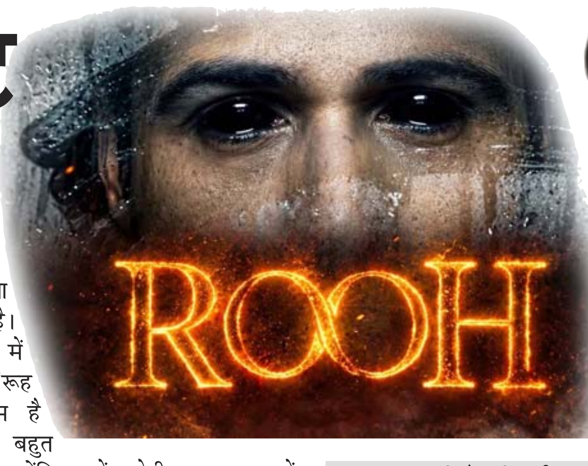

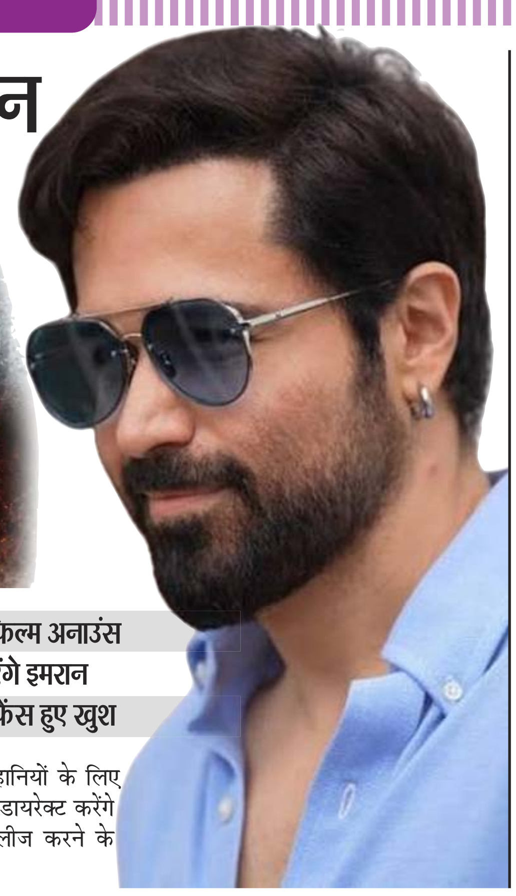

नई दिल्ली। इमरान हाशमी की फिल्मों और गानों को फैनबेस अलग है इसीलिए उन्होंने अपने फैंस के लिए एक जबरदस्त अनाउंसमेंट किया है। हालांकि इस बार रोमांस की जगह हॉरर का तड़का लगेगा और फिल्म के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

इमरान हाशमी एक ऐसे जॉनर में वापसी कर रहे हैं जिसके लिए उनके फैंस लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने म्यूजिकल हॉरर रूह का अनाउंसमेंट कर दिया है। वे इस फिल्म में लीड रोल निभाने वाले हैं। फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसे हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज किया जाएगा।

फिलहाल रूह (Rooh) का सिर्फ टीजर किया गया है लेकिन कहानी का खुलासा अभी नहीं हुआ है। फिल्म के बारे में इमरान ने कहा, 'रूह एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे बहुत प्रभावित किया है, क्योंकि इसमें नए जमाने की हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बहुत जबरदस्त मेल है'।

इमरान हाशमी अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 में नजर आने वाले हैं जिसका फैंस काफी इंतजार कर रहे हैं। यह एक म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म होगी। यह 2007 में रिलीज हुई फिल्म आवारापन का सीक्वल है जो 14 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।

रूह को मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने लिखा है जो लुकाछिपी और छोरी जैसी कहानियों के लिए जाने जाते हैं। इसे मयंक शर्मा डायरेक्ट करेंगे और यह फिल्म 2027 में रिलीज करने के लिए शेड्यूल की गई है।

इमरान हाशमी ने की नई फिल्म अनाउंस
म्यूजिक हॉरर में नजर आएंगे इमरान
इमरान के अनाउंसमेंट से फैंस हुए खुश

20 साल पहले अमिताभ बच्चन ने फ्री में की थी भोजपुरी फिल्म

नई दिल्ली। 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन ने वैसे तो अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं लेकिन क्या आप जानते हैं 20 साल पहले बिग बी ने भोजपुरी सिनेमा में भी किस्मत आजमाई थी। इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए अमिताभ ने एक भी रुपया फीस नहीं ली थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ हेमा मालिनी ने काम किया था। दोनों ने कई हिंदी फिल्मों में साथ काम किया है और दर्शकों को यह जोड़ी काफी पसंद भी आई है। वहीं जब ये जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में उतरी तो वहां भी हिट रही। फिल्म की कहानी एक होशियार और पढ़ी-लिखी गांव की महिला के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो गांव के ही एक छेड़छाड़ करने वाले लड़के को घायल करके उससे अपना बचाव करती है। बाद में, वह सबके सामने ठाकुर के अमीर बेटे

रंजीत को खरी-खोटी सुनाती है। उसके निडर स्वभाव से प्रभावित होकर, ठाकुर उस लड़की से अपने बेटे रंजीत की शादी तय कर देते हैं। हालांकि, शादी के दिन वह लड़का उस पर बेवफाई का झूठा आरोप लगाता है। लेकिन इस बीच वह लड़का जिसको उसने घायल किया था, सच सामने लाता है, जिसके बाद वह ठाकुर के लड़के को छोड़कर उसी लड़के से शादी कर लेती है। लेकिन इसके बाद ठाकुर के परिवार के अंदर भड़की बदले की आग का वह कैसे सामना करती है यह फिल्म देखने पर पता चलेगा।

'मिर्जापुर को अमेरिका हम बनाएंगे'

मिर्जापुर की रिलीज से पहले सरप्राइज, इस बार 'गद्दी' का खेल होगा और खतरनाक

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के 3 सफल सीजन के बाद अब मेकर्स सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए कमर कस चुके हैं। ये खबर तो पहले ही सामने आ चुकी है कि एक्सेल एंटरटेनमेंट अपनी सफल सीरीज पर फिल्म लेकर आ रहा है, जिसमें कई नए चेहरे भी इस बार 'गद्दी' के लिए लड़ते हुए दिखाई देंगे।

अब पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा स्टारर 'मिर्जापुरः द मूवी' की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। हालांकि, उससे पहले मेकर्स ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देकर उनकी एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। जबरदस्त एक्शन, रोंगटे खड़े करने वाले ट्विस्ट और आइकॉनिक दुश्मनी से भरपूर 'मिर्जापुर' को सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए लाने से पहले हाल ही में मेकर्स ने फैंस के लिए एक रिकैप शेयर किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साल 2018 से लेकर एक झलकी दर्शकों को दिखाई, ताकि उन्हें सिनेमाघरों में फिल्म को समझने में आसानी हो। इस रिकैप के एंड में उन्होंने एंड में लिखा, 2026 में मिर्जापुर का भौकाल अब बड़े पर्दे पर होगा। इस बार 'मिर्जापुरः द फिल्म' में जितेंद्र कुमार, रवि किशन, मोहित मलिक और सोनल चौहान जैसे सितारे नजर आए हैं। इस छोटे से रिकैप के सरप्राइज ने फैंस की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है।

एक यूजर ने लिखा, ₹बवाल चीज है...गुड्डू भैया मिर्जापुर को अमेरिका बनाएंगे अब।₹ दूसरे यूजर ने लिखा, मूवी को बड़े पर्दे पर रिलीज करते हुए अगर गालियों से किसी तरह का समझौता किया, तो देख लेना, वहीं म्यूजिक बंद कर देंगे। एक अन्य यूजर ने लिखा, भाई मुन्ना भैया की वापसी फाड़ होगी, मजा आएगा मूवी देखने में। मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।

सवाल पूछा गया- सलमान को 'लॉक अप' का एक्सपीरियंस है, उन्हें शो में लाएंगे?

'लॉक अप 2' शुरू होने से पहले रितेश हुए अनकम्फर्टेबल

नई दिल्ली। एकता कपूर के रियलिटी शो 'लॉक अप सीजन 2' के इवेंट के दौरान रितेश देशमुख से सलमान खान और संजय दत्त को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर रितेश ने जवाब देने से इनकार कर दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे पूछा गया, ₹क्योंकि आपके सबसे करीबी दोस्त सलमान खान और संजय दत्त हैं। उन्हें 'लॉक अप' का काफी एक्सपीरियंस है, तो क्या आप उन्हें शो में लाएंगे और उन्हें क्या सजा देंगे?₹ इस पर रितेश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं आपके सवाल का जवाब देकर उसे कोई सम्मान देना चाहूंगा।

इसके बाद सवाल पूछने वाले ने कहा कि उसने आसान सवाल पूछा है। इस पर रितेश ने जवाब दिया, ₹आपका सवाल है, मैं उसका जवाब नहीं देना चाहता। मेरा काम सिर्फ शो होस्ट करना है। एक होस्ट के तौर पर मुझे पहले से नहीं पता होता कि शो में कौन से कैदी या गेस्ट आने वाले हैं। जो भी गेस्ट आते हैं,

हम उनसे बातचीत करते हैं। गौरतलब है कि भारत में नेटफ्लिक्स के पास बड़े सितारे, बड़े बजट और वैश्विक पहचान है। फिर भी वह अमेजन प्राइम, जियोहॉटस्टार और दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसा सांस्कृतिक प्रभाव नहीं बना पाया। जहां दूसरे प्लेटफॉर्म ऐसे किरदार और कहानियां बनाने में सफल रहे, जो लोगों की बातचीत का हिस्सा बन गए, वहीं नेटफ्लिक्स के कई चर्चित प्रोजेक्ट रिलीज के कुछ समय बाद भुला दिए गए।

'लॉक अपः सच या सजा' 27 जून से शुरू होगा

चार साल बाद रियलिटी शो 'लॉक अप' का नया सीजन आ रहा है। मेकर्स ने इसका नाम 'लॉक अपः सच या सजा' रखा है। इस बार शो का प्रीमियर 27 जून 2026 को होगा। अब यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। पहले सीजन को एमएक्स प्लेयर और ऑल्ट बालाजी पर दिखाया गया था। इस बार होस्ट भी बदल गए हैं। पहले सीजन को कंगना रनोट ने होस्ट किया था, लेकिन नए सीजन में उनकी जगह फराह खान और रितेश देशमुख नजर आएंगे। दोनों शो में 'जेलर' की भूमिका निभाएंगे।

इसकी देखरेख हम अपने तरीके से करेंगे, अमेरिका पर भरोसा नहीं

होर्मुज अब पहले जैसा नहीं रहेगा : ईरान

दावा

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान के संसद अध्यक्ष और अमेरिका-ईरान बातचीत में अहम वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग की देखरेख आगे ईरान अपने तरीके से करेगा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन जारी रहेगा।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी प्रेस टीवी के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका के साथ तकनीकी बातचीत के पहले दौर के बाद गालिबाफ ने दोहराया कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालीबाफ ने कहा,हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, आज भी नहीं करते और भविष्य में भी सावधान रहने में ही समझदारी होगी।

- ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने युद्ध के दौरान यूरोपीय देशों के रुख की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई नीतियों की वजह से यूरोपीय देशों का असर कम हो गया है।
- अल जजीरा के मुताबिक बघई ने कहा कि यूरोपीय देशों के इस गैरजिम्मेदाराना रवैये से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी इमेज और स्थिति मजबूत होने के बजाय और कमजोर होगी।

ट्रम्प की चेतावनी- अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता तो फिर कार्रवाई होगी

स्विट्जरलैंड में बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता या सही तरीके से व्यवहार नहीं करता, तो वह फिर से कार्रवाई करने को तैयार हैं। अगर ईरान अपने वादो पर कायम नहीं रहता, तो मुझे जो करना होगा, मैं करूंगा।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास उन पर दबाव बनाने की कोई ताकत नहीं है। हालिया घटनाओं के बाद ईरान की सैन्य और आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो चुकी है।

साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए अगर लंबे समय तक सैन्य कार्रवाई करनी पड़े और उससे वैश्विक आर्थिक मंदी का खतरा भी पैदा हो, तब भी यह कदम ज्यादा महत्वपूर्ण है।

ईरान ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के दावे को खारिज किया

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को दावा किया था कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों को दोबारा अपने परमाणु केंद्रों का निरीक्षण करने की अनुमति देगा। हालांकि, ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई बातचीत में परमाणु निरीक्षकों को लेकर कोई नया वादा नहीं किया गया है। परमाणु निरीक्षक ऐसे विशेषज्ञ होते हैं जो यह जांच करते हैं कि किसी देश का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ ऊर्जा और अन्य शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। उनका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि परमाणु तकनीक का इस्तेमाल हथियार बनाने के लिए न किया जाए।

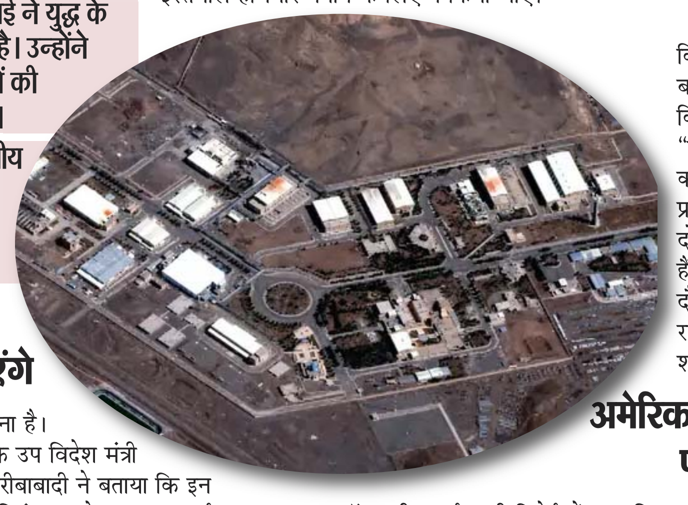

रिपोर्ट- होर्मुज स्ट्रेट से 3 दिन में 71 जहाज गुजरे

डेटा और एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक, शुक्रवार से रविवार के बीच होर्मुज स्ट्रेट से 71 जहाज गुजरे। इनमें सबसे ज्यादा 35 जहाज शनिवार को स्ट्रेट पार करते देखे गए। हालांकि, यह संख्या अब भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। युद्ध से पहले इस अहम समुद्री मार्ग से रोजाना औसतन 100 से 130 जहाज गुजरते थे।

ईरान बोला- समझौता तभी सफल होगा, जब वादे पूरी तरह निभाए जाएं

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि अमेरिका के साथ हुई बातचीत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष अपने वादों को कितना पूरा करते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, "बातचीत तभी असरदार होगी, जब तय जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। इस दिशा में प्रगति का आकलन भी इसी आधार पर होगा कि दोनों पक्ष अपने वादे कितनी ईमानदारी से निभाते हैं।" पजशकियान आज पाकिस्तान के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे। इस दौरान उनकी पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात होने वाली है।

तकनीकी बातचीत के बाद आगे की वार्ता के लिए 4 टास्क ग्रुप बनाए जाएंगे

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत पूरी हो गई है। अब आगे की बातचीत के लिए चार अलग-अलग टास्क ग्रुप बनाए जाएंगे। इन ग्रुप्स का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौते का रास्ता तैयार करना है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने बताया कि इन ग्रुप्स में प्रतिबंध हटाने, परमाणु कार्यक्रम, देश के रीकंस्ट्रक्शन-आर्थिक विकास, और समझौते के पालन-निगरानी जैसे मुद्दों पर काम किया जाएगा।

अमेरिका और कतर का ईरान को फ्रीज्ड फंड देने का प्लान

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और कतर मिलकर एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत ईरान को फंसी हुई अरबों डॉलर की रकम मानवीय कामों के लिए दी जा सकती है। इस प्रस्ताव के तहत ईरान को शुरुआती तौर पर करीब 6 अरब डॉलर तक की पहुंच कतर में रखे फंड से मिल सकती है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, संसद अध्यक्ष बाघेर गालिबाफ और ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अलबुसैदी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई। (फाइल फोटो)

ईरान बोला- युद्ध के दौरान यूरोप का रवैया गैरजिम्मेदाराना रहा

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने युद्ध के दौरान यूरोपीय देशों के रुख की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई नीतियों की वजह से यूरोपीय देशों का असर कम हो गया है। अल जजीरा के मुताबिक बघई ने कहा कि यूरोपीय देशों के इस गैरजिम्मेदाराना रवैये से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी इमेज और स्थिति मजबूत होने के बजाय और कमजोर होगी।

क्रेड एप के फाउंडर कुणाल वॉट्सएप के नए ग्लोबल हेड

विल कैथकार्ट एआई की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा ने क्रेड (CRED) एप के फाउंडर कुणाल शाह को वॉट्सएप का नया ग्लोबल हेड बनाया है। वे विल कैथकार्ट की जगह लेंगे, जो 7 साल से वॉट्सएप की कमान संभाल रहे थे। कैथकार्ट अब मेटा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़े नए प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगे।

सोमवार को यह जानकारी मेटा CEO मार्क जुकरबर्ग ने पोस्ट कर दी है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यह फैसला उस डील के तहत लिया है, जिसमें मेटा UPI और बिल पेमेंट एप क्रेड में करीब 8,550 करोड़ रुपए निवेश करेगी। इसके बदले मेटा को क्रेड में 20% की हिस्सेदारी मिलेगी। इसके बाद क्रेड कंपनी की कुल वैल्यूएशन बढ़कर 43,239 करोड़ हो जाएगी। मेटा के मुताबिक, कुणाल शाह के बॉस बनने के बाद वॉट्सएप का पूरा ध्यान दो बड़ी चीजों पर होगा।

कंपनी अब वॉट्सएप के जरिए ज्यादा पैसे कमाने की तैयारी में है। इसके लिए एप में विज्ञापन दिखाए जा सकते हैं और कुछ खास फीचर्स के लिए मंथली फीस यानी सब्सक्रिप्शन भी लाया जा सकता है।

वॉट्सएप के अंदर अलग-अलग तरह के 'AI एजेंट्स' (यानी कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स) जोड़े जाएंगे। ये AI टूल्स आपके कई काम आसान करने और चैटिंग को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

वॉटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ आज से खुला

मुंबई, एजेंसी

कॉर्डेलिया क्रूजेस ब्रांड नाम से देश की दिग्गज डोमेस्टिक ओशन क्रूज कंपनी चलाने वाली 'वॉटरवेज लीजर टूरिज्म' का IPO आज यानी मंगलवार, 23 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। निवेशक इस पब्लिक इश्यू में गुरुवार, 25 जून तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इस IPO के लिए 769 से 808 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह पूरा इश्यू 585 करोड़ का फ्रेश इश्यू है, यानी इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (OFS) कंपोनेंट शामिल नहीं है। IPO के खुलने से पहले ही कंपनी ने एंकर इनवेस्टर्स के जरिए 263.25 करोड़ जुटा लिए हैं, जो इसमें इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की मजबूत दिलचस्पी को दिखाता है। इस IPO के लिए लॉट साइज 18 इक्विटी शेयर्स का तय किया गया है, यानी निवेशकों को कम से कम 18 शेयरों के लिए

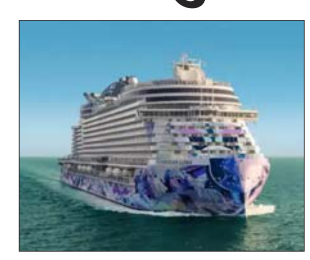

- फ्रेश इश्यू से 585 करोड़ जुटाएगी, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,544

अप्लाई करना होगा। अपर प्राइस बैंड 808 के हिसाब से रिटेल निवेशकों को मिनिमम 14,544 का निवेश करना होगा। कंपनी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs) के लिए मैक्सिमम 75%, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (NIIs) के लिए मिनिमम 15% और रिटेल इनवेस्टर्स के लिए मिनिमम 10% हिस्सा रिजर्व रखा है।

चांदी आज 10,566 सस्ता हुई इस महीने 36,015 गिरी

सोना 2,522 गिरा, जून में 10,748 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज 23 जून को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 10,566 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है, जो सोमवार को 2.37 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,522 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 22 जून को यह 1.47 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 10,748 रुपए और चांदी के 36,015 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 3.63 लाख/किलो थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को

मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,333 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 145 दिन में चांदी 1.59 लाख रुपए सस्ती हो गई है। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (AIDC) लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी।

ब्रिटेन के नए पीएम बन सकते हैं ■ किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर

टीवी सीरियल देखकर राजनीति में आए बर्नहैम

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह एंडी बर्नहैम नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बर्नहैम ने पीएम पद के लिए दावेदारी भी पेश कर दी है।

बर्नहैम 19 जून को मेकरफील्ड से उपचुनाव जीतकर सांसद बने थे। पार्टी में उनकी लोकप्रियता के चलते तभी से ही स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ गईं थी।

बर्नहैम का जन्म 1970 में लिवरपूल में हुआ था, लेकिन उनका बचपन चेशायर के कुलचेथ गांव में बीता। उनके पिता टेलीकॉम कंपनी BT में इंजीनियर थे, जबकि मां एक क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट थीं। दोनों लेबर पार्टी के समर्थक थे।

एंडी बर्नहैम का राजनीति में आने का फैसला किसी नेता के भाषण से नहीं, बल्कि एक टीवी ड्रामा देखकर हुआ था।

उन्होंने बताया है कि 14 साल की उम्र में BBC का फेमस सीरियल बॉयज फ्रॉम द ब्लैकस्टफ देखने के बाद उन्होंने लेबर पार्टी से जुड़ने का मन बनाया। यह ड्रामा लिवरपूल में बेरोजगारी और आर्थिक संकट की कहानी पर आधारित था।

आयरिश मूल के बर्नहैम की पहचान सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। वह लिवरपूल के एवर्टन फुटबॉल क्लब के बड़े फैन हैं।एंडी बर्नहैम ने करियर की शुरुआत राजनीति से नहीं, बल्कि पत्रकारिता से की थी। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने टैंक वर्ल्ड और पैसेंजर वर्ल्ड मैनेजमेंट जैसी पत्रिकाओं में काम किया। 20 साल की उम्र में उन्हें राजनीति में पहला मौका मिला, जब वह लेबर सांसद टेसा जोवेल के रिसर्चर बने।

कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान नीदरलैंड की मैरी से प्यार हुआ

एंडी बर्नहैम ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई की, लेकिन वहां का माहौल उनके लिए आसान नहीं था। अपनी किताब 'हेड नॉर्थ' में उन्होंने लिखा है कि कई बार उन्हें लगता था कि वे वहां के नहीं हैं और खुद को एक 'बाहरी' की तरह महसूस करते थे। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि म्यूजिक में बढ़ी। मैनचेस्टर के इंडी बैंड्स- द स्मिथ्स और द स्टोन रोजेज के गानों ने उनकी सोच और व्यक्तित्व को काफी प्रभावित किया। बर्नहैम के मुताबिक, इसी म्यूजिक कल्चर ने उन्हें अपनी अलग पहचान दी। एंडी बर्नहैम की लव स्टोरी की शुरुआत कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से हुई थी। यहीं उनकी मुलाकात नीदरलैंड में जन्मीं मैरी-फ्रांस वैन हील से हुई। दोनों इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई के दौरान करीब आए और कई साल बाद 2000 में शादी कर ली। आज उनके तीन बच्चे हैं। बर्नहैम ने 2009 में द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआती दौर में वे परिवार बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे थे। उनका मानना था कि जिंदगी में पहले स्थिरता हासिल करना जरूरी है।

अलर्ट : एआई को लेकर फाइव आइज़ की बड़ी चेतावनी, साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील

'सालों के बजाय महीनों में बदल जाएगा माहौल'

वॉशिंगटन, एजेंसी

इंटेलिजेंस अलायंस फाइव आइज ने एक अनोखी चेतावनी जारी की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अगली जेनरेशन सालों के बजाय कुछ ही महीनों में साइबर सिक्योरिटी के माहौल को पूरी तरह से बदल सकती है और सरकारों, बिजनेस और कॉर्पोरेट लीडर्स से साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील की है। यह चेतावनी 'फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल' (FIORC) के एक संयुक्त बयान में दी गई। यह काउंसिल ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका की इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों का एक समूह है। किसी खास कंपनी या मॉडल का नाम लिए बिना फाइव आइज के बयान में चेतावनी दी गई कि 'फ्रंटियर AI सिस्टम' से मौजूदा इंडस्ट्री की उम्मीदों से कहीं आगे निकलने और आक्रामक व रक्षात्मक, दोनों तरह की साइबर क्षमताओं में बड़े बदलाव लाने की उम्मीद है।

किसी खास कंपनी या मॉडल का नहीं लिया नाम

यह बयान तब जारी किया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने टेक्नोलॉजी कंपनी 'एन्थ्रोपिक' (Anthropic) द्वारा विकसित दो एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम तक विदेशी नागरिकों की पहुंच को सीमित करने का कदम उठाया। इस महीने की शुरुआत में घोषित यह फैसला अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के बाद लिया गया।

बयान में कहा गया है, हालांकि AI समय के साथ साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगा, लेकिन यह साइबर खतरों की रफ्तार, दायरे और जटिलता को भी बढ़ा देता है। उम्मीद है कि 'फ्रंटियर AI मॉडल' इंडस्ट्री की मौजूदा उम्मीदों से कहीं आगे निकल जाएंगे और साइबर हमले और बचाव, दोनों ही क्षमताओं में बुनियादी बदलाव लाएंगे। इसमें सालों नहीं, बल्कि महीनों का समय लगेगा। इस ग्रुप ने कहा कि बिजनेस, बाजार के भरोसे और लंबे समय तक आर्थिक वैल्यू बनाए रखने के लिए साइबर रेजिलिएंस (साइबर हमलों से उबरने की क्षमता) बहुत जरूरी हो गई है। इसने लीडर्स से कहा कि वे जोखिमों और जवाबदेही का आकलन करें, मुख्य साइबर सिक्योरिटी कंट्रोल को प्राथमिकता दें, साइबर सिक्योरिटी टीमों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन दें और खतरों के बदलते स्वरूप के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहें। बयान में कहा गया, जरूरत साफ है। AI भविष्य की कोई चीज नहीं है, यह पहले से ही मौजूद है। फाइव आइज के बयान के मुताबिक, AI किसी कमजोरी का पता चलने और बुरे इरादे वाले लोगों द्वारा उसका फायदा उठाने के बीच के समय को कम कर रहा है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का डेटा डार्क वेब पर लीक

हैकर्स ने एपल-टेस्ला के सीक्रेट डिजाइन और 2 लाख फाइलें चुराईं

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। इस साइबर अटैक में हैकर्स ने डार्क वेब पर कंपनी की 2 लाख से ज्यादा सिक्रेंट फाइलें लीक कर दी हैं। इनमें टाटा के दो सबसे बड़े क्लाइंट्स- एपल और टेस्ला के कंपोनेंट डिजाइन, स्पेसिफिकेशन पेपर्स और सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स शामिल हैं। हालांकि, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने साफ किया है कि इस घटना से उनके बिजनेस ऑपरेशन्स पर कोई असर नहीं पड़ा है और सभी काम सामान्य रूप से चल रहे हैं। मनीकंट्रोल के मुताबिक, एपल की ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी टीम भी इस डेटा ब्रीच की जांच और इसका पूरा एनालिसिस कर रही है, ताकि इसके पीछे की मुख्य वजह का पता लगाया जा सके। वहीं एपल ने

यह भी कहा है कि फिलहाल इस लीक से बिजनेस-ऑपरेशन्स पर कोई खतरा नहीं है। साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर्स के मुताबिक, 'वर्ल्ड लीक्स' नाम के रैनसमवेयर ग्रुप ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सिस्टम से चुराया गया डेटा डार्क वेब पर पोस्ट किया है। इस ग्रुप ने पहले नाइकी के सिस्टम पर साइबर अटैक का दावा किया था। डार्क नेट पर पब्लिश की गई वेबसाइट के अनुसार, इस लीक में कुल 630 गीगाबाइट (GB) का डेटा शामिल है, जिसमें 2 लाख से ज्यादा फाइलें और फोल्डर्स हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96